

झारखंड में प्रखंड स्तर पर बनेंगे कस्टम हायरिंग सेंटर : शिल्पी तिकर्ी

बिश्मा संवाददाता
रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिकर्ी ने कहा कि किसानों को आधुनिक कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रखंड स्तर पर कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही गांवों में सामूहिक पक्के थ्रेसिंग मशीन बनाने की पहल की जाएगी। मंत्री बुधवार को नेपाल हाउस स्थित सचिवालय में भूमि संरक्षण निदेशालय के कार्यों की समीक्षात्मक बैठक में निर्देश देते



स्थान उपलब्ध हो सकेगा। बैठक में बड़े ट्रैक्टरों पर वर्तमान में मिलने वाली 50 प्रतिशत सब्सिडी बढ़ाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया। हालांकि, सब्सिडी बढ़ाने पर अंतिम निर्णय की घोषणा नहीं की गई। मंत्री ने भूमि संरक्षण निदेशालय के अधिकारियों के लिए वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर जारी करने का निर्देश दिया, ताकि उनकी तकनीकी दक्षता और योजनाओं के

पेयजल एवं स्वच्छता कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा जनहित के कार्यों में लापरवाही व अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं: मंत्री



रांची। पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद की अध्यक्षता में बुधवार को रांची स्थित नेपाल हाउस कार्यालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय सचिव, प्रबंध निदेशक (एमडी), अभियंता प्रमुख (इंजीनियर-इन-चीफ) सहित कई वरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान राज्य भर में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। मंत्री ने स्वयं विभिन्न फाइलों एवं अभिलेखों का अवलोकन कर लंबे समय से लंबित पड़े मामलों की स्थिति का जायजा लिया तथा विभागीय समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम नागरिकों तक निर्बाध पेयजल पहुंचाना और स्वच्छता से

जुड़ी बुनियादी सेवाएं समय पर उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी निष्ठा, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का निर्देश दिया। मंत्री ने दो टूक चेतावनी देते हुए कहा कि जनहित से जुड़ी योजनाओं में किसी भी प्रकार की शिथिलता, लापरवाही या अनावश्यक देरी को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने सभी लिबित मामलों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित गति से निपादन करने और कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता तथा समयबद्धता बनाए रखने पर विशेष बल दिया।

संक्षिप्त खबरें

महापौर व उप महापौर ने धुर्वा डैम विसर्जन स्थल और छठ घाट का किया निरीक्षण
रांची(बिभा)। दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर रांची नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को रांची नगर निगम की महापौर रोशनी खलखो एवं उप महापौर नीरज कुमार ने धुर्वा डैम स्थित मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन स्थल तथा छठ घाट का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने घाटों की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए आगामी धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर निगम स्तर से की जाने वाली व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान वार्ड पार्षद अवधेश ठाकुर सहित रांची नगर निगम के कई तकनीकी पदाधिकारी एवं सफाई कर्मी उपस्थित रहे। महापौर रोशनी खलखो और उप महापौर नीरज कुमार ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और निगम की टीम को स्पष्ट निर्देश दिया कि त्योहारों के दौरान घाटों पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए उनकी सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि विसर्जन और छठ पूजा के दौरान किसी भी श्रद्धालु को असुविधा न हो, इसके लिए समय रहते घाटों की मुकम्मल साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा घेरा (बैरैकिडिंग) और अन्य जरूरी बुनियादी ढांचे का निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

रांची नगर निगम ने जारी की पार्किंग शुल्क की दरें: पहले 10 मिनट फ्री

रांची(बिभा)। रांची नगर निगम ने शहर के विभिन्न पार्किंग स्थलों के लिए आधिकारिक पार्किंग शुल्क की दरें और नागरिकों को मिलने वाली विशेष छूट से जुड़े नियमों की जानकारी साझा की है। निगम के अनुसार, निर्धारित दरों के तहत दोपहिया वाहनों के लिए 10 प्रति 3 घंटे और चारपहिया वाहनों के लिए 30 प्रति 3 घंटे का पार्किंग शुल्क तय किया गया है। नागरिकों को राहत देते हुए निगम ने स्पष्ट किया है कि पार्किंग स्थल में प्रवेश के प्रथम 10 मिनट तक कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त शनिवार, रविवार और राष्ट्रीय अवकाश के दिनों में आम जनता को निर्धारित पार्किंग दरों पर 50 प्रतिशत तक की विशेष छूट का प्रावधान किया गया है। रांची नगर निगम ने शहरवासियों से अपील की है कि वे आधिकारिक दरों के प्रति जागरूक रहें और निर्धारित नियमों का पालन करें। यदि किसी भी पार्किंग स्थल पर तय दर से अधिक वसूली, रसीद न देने या किसी अन्य प्रकार की अनियमितता की बात सामने आती है, तो नागरिक सीधे नगर निगम के टोल-फ्री शिकायत हेल्पलाइन नंबर 18005701235 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

ओडिशा के नवनिर्वाचित राज्यपाल से झारखण्ड चैंबर ने की शिष्टाचार मुलाकात

रांची (बिभा)। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सम्मानित सदस्य एवं पूर्व सांसद श्री बृजमोहन राम जी को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर आज झारखण्ड चैंबर के प्रतिनिधिमंडल ने उनसे मुलाकात कर झारखण्ड के व्यवसायियों एवं उद्यमियों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल ने कहा कि चैंबर के सम्मानित सदस्य को संवैधानिक पद पर आसीन होते देखना पूरे व्यवसाय एवं उद्योग जगत के लिए गौरव का विषय है। उनकी इस उपलब्धि से झारखण्ड का व्यवसायी एवं उद्यमी समाज गौरवान्वित है। श्री बृजमोहन राम ने भी झारखण्ड चैंबर का सदस्य होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने आश्वासन दिया कि चैंबर के माध्यम से व्यवसायियों एवं उद्यमियों की जो भी समस्याएं उनके संज्ञान में आएंगी, उनके समाधान के लिए हरसंभव सहयोग प्रदान करने का प्रयास करेगा। उन्होंने आगामी 18 अक्टूबर को आयोजित होने वाले शपथ ग्रहण समारोह में चैंबर अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारियों को आमंत्रित किया। प्रतिनिधिमंडल में चैंबर अध्यक्ष तुलसी पटेल, उपाध्यक्ष विकास विजयवर्गीय, सह सचिव अमित शर्मा और कोषाध्यक्ष नवजोत अलंश शामिल थे।

उषा मार्टिन फाउंडेशन के सीएसआर क्षेत्र में डीईटी/जीईटी टीम का एक्सपोजर विजिट, ग्रामीण विकास कार्यों का किया अवलोकन

बिश्मा संवाददाता
रांची। उषा मार्टिन फाउंडेशन के सीएसआर परियोजना क्षेत्र में फैक्ट्री के डीईटी/जीईटी प्रशिक्षुओं की टीम ने ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन करने के उद्देश्य से एक्सपोजर विजिट किया। इस टीम का नेतृत्व एचआरडी विभाग की सीनियर मैनेजर श्रीमती रेहिंगी घोष ने किया। भ्रमण के दौरान टीम ने ग्रामीण क्षेत्रों में फाउंडेशन द्वारा संचालित सामाजिक विकास, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की शुरुआत जत्रा मैदान में



सामुदायिक मंच के उद्घाटन से हुई। इस दौरान टीम को मंच के महत्व के बारे में बताया गया, जो ग्रामीणों के लिए सामुदायिक बैठकों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आपसी संवाद का साझा केंद्र बनेगा। इसके बाद टीम ने महिलाओं में किसान के

खेत का भ्रमण किया। यहां पॉलीनेट खेती, ड्रिप सिंचाई प्रणाली, फसल उत्पादन की तकनीकों तथा कृषि संबंधी अन्य पहलों का अवलोकन किया गया। टीम ने ग्रामीण किसानों की आजीविका बढ़ाने और कृषि को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयासों को

समझा। हरातू में टीम ने जूट एवं सोहराय कला प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान पारंपरिक सोहराय कला, स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक कलाओं के संरक्षण एवं संवर्धन में किए जा रहे प्रयासों को समझने का अवसर मिला। इसके बाद उलातू के भुवालटोली क्षेत्र एवं विद्यालय का भ्रमण किया गया। यहां ग्रामीणों से संवाद कर उनकी सामाजिक परिस्थितियों, आवश्यकताओं तथा सामुदायिक विकास से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की गई। मसू स्कूल में आयोजित स्वास्थ्य शिविर एवं सामान्य बैठक के दौरान स्वास्थ्य

जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता से जुड़ी गतिविधियों का अवलोकन किया गया। भ्रमण के अगले चरण में हेसलजारा सामुदायिक भवन का दौरा किया गया, जहां शिक्षा संबंधी गतिविधियों और सामुदायिक भवन की भूमिका के बारे में जानकारी ली गई। कार्यक्रम के अंतिम चरण में टीम शालिनी अस्पताल पहुंची। यहां स्वास्थ्य सेवाओं तथा स्वास्थ्य संबंधी पहलों को लेकर संबंधित प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया गया। पूरे भ्रमण के दौरान उषा मार्टिन फाउंडेशन की ओर से श्री मेवालाल महतो एवं श्री भुवनेश्वर जी ने टीम का

मार्गदर्शन किया और विभिन्न परियोजनाओं की जानकारी साझा की। इस एक्सपोजर विजिट का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को ग्रामीण जीवन, स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं तथा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उत्प) के अंतर्गत संचालित विकासात्मक पहलों का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। इस पहल के माध्यम से प्रशिक्षुओं को यह समझने का अवसर मिला कि कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और सामुदायिक सहभागिता ग्रामीण विकास को सशक्त बनाते हैं किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सस्ती दवाओं के लिए सीएमपीडीआई और एचएलएल लाइफकेयर के बीच हुआ एमओयू

सीएमपीडीआई में अमृत फार्मेसी खुलेगा

बिश्मा संवाददाता
रांची। कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक मिनीरल कंपनी सीएमपीडीआई, रांची एवं भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के बीच आज एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। संस्थान के कर्मियों की भलाई और आसानी से मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को सीएमपीडीआई (मुख्यालय) परिसर में ह्यअमृत फार्मसीह स्थापित करने, परिचालन तथा उसके रखरखाव की जिम्मेदारी प्रदान की गयी है। तकनीकों तथा कृषि संबंधी अन्य पहलों का अवलोकन किया गया। टीम ने ग्रामीण किसानों की आजीविका बढ़ाने और कृषि को अधिक प्रभावी बनाने के प्रयासों को



ओर से महाप्रबंधक (महाप्रबंधक/सीएसआर) श्री संजय कडम्बार एवं एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (रिटेल बिजनेस डिवीजन) श्री संजय कुमार गुप्ता ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य सीएमपीडीआई के कर्मियों, उनके आश्रितों और आसपास के स्थानीय लोगों को सस्ती औषधियां और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य उत्पाद उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें सस्ती दरों पर आवश्यक हेल्थकेयर उत्पाद आसानी से मिल

सकें। यह फार्मेसी सीएमपीडीआई परिसर में औषधियां, सर्जिकल आइटम, इम्प्लांट और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य उत्पाद उपलब्ध कराएगी। अमृत फार्मेसी की स्थापना कर्मचारी कल्याण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति सीएमपीडीआई की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अपने परिसर के भीतर सस्ती दवाओं तक पहुंच को सुविधाजनक बनाकर, इस पहल से कर्मियों और उनके परिवारों के लिए स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा बढ़ने की उम्मीद है, साथ ही इसके लाभ व्यापक समुदाय तक भी पहुंचेंगे।

सीसीएल ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके में चलाया सतर्कता जागरूकता अभियान

बिश्मा संवाददाता
रांची। सतर्कता जागरूकता अभियान-2026 के अंतर्गत सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के सतर्कता विभाग (मुख्यालय) की टीम ने सीसीएल गांधीनगर टीम के सहयोग से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, कांके में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में ईमानदारी, पारदर्शिता, नैतिक नेतृत्व और सत्यनिष्ठा के मूल्यों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं में नैतिक चेतना और बौद्धिक क्षमता को प्रोत्साहित करने के लिए एचएसएलएल लाइफकेयर लिमिटेड के उप महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (रिटेल बिजनेस डिवीजन) श्री संजय कुमार गुप्ता ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस पहल का उद्देश्य सीएमपीडीआई के कर्मियों, उनके आश्रितों और आसपास के स्थानीय लोगों को सस्ती औषधियां और स्वास्थ्य से जुड़े अन्य उत्पाद उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें सस्ती दरों पर आवश्यक हेल्थकेयर उत्पाद आसानी से मिल



विद्यार्थियों को व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सही निर्णय लेने और नैतिक आचरण अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उपस्थित सभी छात्राओं, शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मचारियों को सामूहिक रूप से सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई। सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्पक्षता, ईमानदारी व पारदर्शिता के साथ करने और उच्च नैतिक आदर्शों को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय परिसर में दो पौधे भी रोपे गए।

दक्षिण पूर्व रेलवे-निविदा
भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी)/चक्रवर्तुर द्वारा एकल निविदा के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। इन निविदाओं के लिए मैन्युअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है तथा इस तरह के भाग किसी भी मैन्युअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। क्रमांक, ई-निविदा सूचना सं. तथा तारीख, कार्य का नाम निम्नलिखित हैं: (1) 29-ईएल-डब्ल्यूटी-2026-27, दिनांक: 09.10.2026; ईआईएमडब्ल्यू: सीकेपी मंडल के तहत बीएएफ, एलटीके, जेआरएलआई, डीपीएस, जेएनके, बीएसपीएस, बीआरएमपी में 07 रेलवे स्वाभिल्य वाले ईआईएमडब्ल्यू का प्रस्ताव; निविदा मूल्य: रु. 17,33,024.87; ईएमडी: रु. 34,700; (2) 30-ईएल-डब्ल्यूटी-2026-27, दिनांक: 09.10.2026; टाटानगर रिसिनिंग सब-स्टेशन नं. 5 डिस्ट्रिक्टुअन एरिया के अंतर्गत ओवरहेड लाइन का भूमिगत केबल में रूपांतरण; निविदा मूल्य: रु. 98,66,289.59; ईएमडी: रु. 1,97,300; निविदा वरतनवाली की सीमत (रु. में): क्रम सं. 1 से 5 के लिए शून्य। बंद/खुलने की तारीख: क्रम सं. 1 से 5 के लिए 06.11.2026 को 15.00 बजे; निविदाएं वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती हैं। निविदादाता/बोलीदाताएं के पास क्लॉस-II डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट होने चाहिए एवं आईआईआईपीएस पोर्टल के अंतर्गत फंजीकृत होने चाहिए। ई-निविदा प्रक्रिया में सिक्रि पंजीकृत निविदादाता/बोलीदाताएं ही भाग ले सकते हैं। ई-निविदा में भाग लेते समय सभी प्रासंगिक दस्तावेज अपरिष्कृत अपलोड किए जाने चाहिए। (PR-897)

चंद्रपुरा में 40 लाख के जेवर चोरी मामले का खुलासा, तीन और गिरफ्तार

बिभा संवाददाता
चंद्रपुरा (बोकारो)। चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के डीवीसी कॉलोनी स्थित क्वार्टर नंबर एफ/डी-05 में दिनदहाड़े हुई चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। करीब 40 लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये नकद चोरी होने की शिकायत पर दर्ज मामले में पुलिस ने तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर चोरी के अन्य सामान भी बरामद किए गए हैं। इससे पहले इस मामले में दो आरोपियों को

गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस के अनुसार, घटना 29 सितंबर 2026 को हुई थी। इस संबंध में चंद्रपुरा थाना कांड संख्या 112/2026, दिनांक 29 सितंबर 2026, भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(3)/305 के तहत मामला दर्ज किया गया था। कांड के शीघ्र उद्घेदन के लिए बोकारो के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बेरमो, तेनुघाट के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी।



छापेमारी के दौरान पुलिस ने रोहित कुमार (26) और विजय कुमार (22), दोनों निवासी बिरसा बस्ती, चंद्रपुरा,

बरामद किए गए थे। दोनों को 30 सितंबर को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। पूछताछ में अन्य आरोपियों की संलिप्तता की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने आगे की कार्रवाई की। इसके बाद 13 अक्टूबर को मो. दानिशा (19), निवासी पश्चिम पल्ली, चंद्रपुरा, स्थायी पता पिपराडीह; शाहिल उर्फ कारु (19), निवासी संडे मार्केट, चंद्रपुरा; और एक विधि-विरुद्ध किशोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर

चोरी के अन्य आभूषण बरामद किए। पुलिस के अनुसार, बरामद सामान में पीले रंग के चार कड़े, 11 कंगन, 24 चूड़ियां, एक मंगलसूत्र, 17 अंगूठियां, तीन गले के हार, 13 जोड़ी झुमके, एक स्टोन जड़ित नोज पिन, एक नथिया, एक कमरबंद और दो छोटे गले के हार शामिल हैं। छापेमारी दल में बेरमो अंचल के पुलिस निरीक्षक अरविंद कुमार, चंद्रपुरा थाना प्रभारी श्रीनिवास कुमार सिंह सहित चंद्रपुरा थाना एवं क्यूआरटी के पुलिस पदाधिकारी और जवान शामिल थे।

नेक्सा शोरूम के सामने बाइक-कार की जोरदार टक्कर, कार में लगी आग



बिभा संवाददाता
बोकारो। बोकारो के सेक्टर-4 सिटी सेंटर स्थित नेक्सा शोरूम के सामने बाइक और कार के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हादसे के बाद कार के अगले हिस्से में आग लग गई। सड़क पर अचानक आग की लपटें उठती देख आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक और कार की भिड़ंत के बाद कार के अगले हिस्से से आग निकलने लगी। हादसे के कारण कुछ देर के लिए घटनास्थल पर दहशत का माहौल बन गया। शहर के व्यस्त सिटी सेंटर इलाके में हुई इस घटना से सड़क से गुजर रहे लोग भी सकते में आ गए। कार में आग लगने की सूचना के बाद अनिशमन विभाग की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई। अनिशमन पदाधिकारी भगवान

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल में मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किया गया स्कालर बैज

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ बोकारो में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि आज के दौर में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव जारी है। इसलिए इस दिशा में सकारात्मक काम किया जा रहा है। शिक्षक विद्यार्थियों के लिए कक्षा का बेहतर तरीके से प्रबंधन करते हैं। विद्यार्थियों को किताबी शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान देते हैं। उन्हें जीवन में चुनौतियों से निबटने के लिए तैयार करते हैं। इसका सकारात्मक नतीजा सामने आ रहा है। विद्यार्थी सफलता की राह तय कर रहे हैं। अर्धवार्षिक परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर कक्षा छह से बारहवीं कक्षा के 130 मेधावी विद्यार्थियों को स्कालर बैज देकर सम्मानित किया गया। कक्षा छह के अयांश भागड़िया, कक्षा सातवीं के उत्कर्ष सिंह, कक्षा आठवीं की निमिषा कुमारी, कक्षा नौ के आदित्य बर्मन राय, कक्षा दसवीं की सनीक्षा सिंह, कक्षा आठवीं के मोनित गड़ोदिया एवं कक्षा बारहवीं में खुशी कुमारी ने सर्वोच्च अंक प्राप्त किए। प्राचार्य डा.जोशी वर्गीस ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर उप प्राचार्य राखी बनर्जी, हेड मिस्ट्रेस सपना जोशी, शिक्षक, शिक्षिकाएं व विद्यार्थी उपस्थित थे।



चिन्मय विद्यालय बोकारो में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन

बोकारो(बिभा)। चिन्मय विद्यालय बोकारो में बुधवार, 14 अक्टूबर को विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस विशेष प्रार्थना सभा में चिन्मय विद्यालय बोकारो के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे एनसीसी कैडेट्स, तैराकी, क्रिकेट एवं वन्यजीव सप्ताह 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रभारी प्राचार्य नरमेंद्र कुमार द्वारा सम्मानित किया गया। इस दौरान उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा भी उपस्थित रहे। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में मुख्य रूप से, एनसीसी कैडेट्स को सम्मान: रांची में आयोजित एटीसी शिविर में भाग लेने वाले एनसीसी कैडेट्स को सम्मानित किया गया। साथ ही, एनसीसी (जूनियर विंग) की बालिकाओं को 'बेस्ट मार्च पास्ट' और 'रस्साकशी' में शानदार जीत के लिए पुरस्कृत किया गया। तैराकी और क्रिकेट: बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा आयोजित तैराकी प्रतियोगिता (12-18 आयु वर्ग) में कक्षा 10 की प्रियंका बेहुरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बैकस्ट्रोक में प्रथम और फ्रीस्टाइल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, कक्षा 9 के कुमार शिवम ने सीबीएसई इंस्ट जोन क्रिकेट टूर्नामेंट में पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया। वन्यजीव सप्ताह 2026 : बीएसएल द्वारा जेएनबी पार्क, बोकारो में आयोजित प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिए गए, जिसमें भाषण प्रतियोगिता में ज्ञाना श्री (कक्षा 8) को प्रथम पुरस्कार, मॉडल प्रस्तुति में सत्यिक पंडित, सुरभि मेहता, ऋषिका और हर्षिता को द्वितीय पुरस्कार, चित्रकला प्रतियोगिता में अग्रिमा समर्थ (कक्षा 8) को तृतीय पुरस्कार एवं विजय प्रतियोगिता में अग्रिमा समर्थ (कक्षा 8) को सराहनीय उपलब्धि देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रभारी प्राचार्य नरमेंद्र कुमार ने सभी मेधावी छात्रों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इन सभी उपलब्धियों ने विद्यालय को गौरवान्वित किया और छात्रों की कड़ी मेहनत एवं अनुशासन को दर्शाता है। साथ ही, मेधावी छात्रों का मार्गदर्शन करने वाले शिक्षक - शिक्षिकाओं को भी उनके योगदान के लिए सराहा एवं उन्हें शुभकामनाएं दीं।



धनडाबर में दुर्गा पूजा का इतिहास 250 साल पुराना : मन्जत पुरी होने पर हुआ था स्थापना

बिभा संवाददाता
तलमडिया (बोकारो)। चास प्रखंड के धनडाबर गांव में तत्कालीन जमींदार स्व मंसाराम चौबे द्वारा स्थापित श्री श्री मां दुर्गा पूजा की तैयारी शुरू हो गयी है. यह पूजा 250 वर्ष पहले से हो रही है. मंसाराम चौबे ने - मन्जत पुरी होने पर मां दुर्गा की स्थापनाकर पुजा शुरू की थी. अभी पत्थर का भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है, जो पहले झोंपड़ी थी. बंगला सन 1326 में पत्थर का भव्य मंदिर का निर्माण किया गया है यहां पर बलि प्रथा है. षष्ठी(बेल वरण) से विधिवत पांच दिवसीय पुजा व मेला शुरू होगी।



संस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जायेगा। परंपरा के अनुसार इस मंदिर में एक ही पटरा पर मां दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, भगवान गणेश, कार्तिक, जया, विजया, महिषासुर, सिंह की मूर्ति का निर्माण किया जाता है.

चंदनकियारी के मूर्तिकार कार्तिक सूत्रधार निर्माण कर अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं. मंदिर की भव्य सजावट की जा रही है. पुजा को लेकर पुजा समिति के पंडित श्यामल उपाध्याय, मुख्य ब्रती सुलपाणी ओझा, पंडित मनष

पांडेय ,संरक्षक नारायण चौबे , पी एन चौबे,गोपाल चन्द्र चौबे, अध्यक्ष दिलीप कुमार चौबे, सचिव मनोरंजन चौबे, सह सचिव सोहन चौबे,कोषाध्यक्ष मंतोष चौबे, सह कोषाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चौबे,बी डी चौबे, प्रभाष चौबे, उज्जवल चौबे,परेश चौबे, अंकुश चौबे, अजित चौबे, मंदू चौबे,आनन्द चौबे, आदित्यनाथ चौबे, मनोज चौबे, रुपेश चौबे सहित पुरा चौबे परिवार जुटे हुए हैं। पुजा समिति अध्यक्ष दिलीपकुमार चौबे ने बताया कि सरकारी गाईडलाइन के तहत ही पुजा संपन्न होगी।

विस्थापित क्षेत्रों के विकास को लेकर चास नगर निगम में बैठक, सीएसआर मद से कराए जाएंगे विकास कार्य

बिभा संवाददाता

बोकारो. चास नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विस्थापित क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से बुधवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चास नगर निगम के महापौर भोलू पासवान ने की। बैठक में विस्थापित क्षेत्रों में बीएसएल के (सीएसआर) मद से विकास कार्य कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, उपमहापौर पूजा कुमारी, इछर के सदस्य प्रवीण कुमार, संजीव कुमार सिंह, सहित नगर निगम के विभिन्न वार्डों के पार्षदगण उपस्थित रहे। इनमें मंजू कुमारी महतो , मोहम्मद आजाद , शहनाज फिरदौस, उत्तम गोप, कल्याणी प्रसाद सिंह, राहुल कुमार , सुमन



राय एवं खातिबा निशा , सहित विस्थापित क्षेत्रों से संबंधित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा नगर प्रबंधक राम शिववास्तव, अमन मन्ना तथा नगर निगम के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य चास नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विस्थापित इलाकों में बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाना और वहां विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना है। इसके

तहत बीएसएनएल के सीएसआर मद से सड़क निर्माण एवं मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक नागरिक सुविधाओं को विकसित करने पर चर्चा की गई। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि विस्थापित क्षेत्रों के निवासियों को आवागमन, रात्रि में प्रकाश की कमी तथा अन्य बुनियादी समस्याओं के कारण कठिनायियों का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए संबंधित क्षेत्रों की

राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं, स्टारलैंक को मंजूरी न दे सरकार: स्वदेशी जागरण मंच

बोकारो(बिभा)। स्वदेशी जागरण मंच ने एलन मस्क की कंपनी स्टारलैंक को भारत में व्यावसायिक सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने की मंजूरी नहीं देने की मांग की है। मंच का कहना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी सवालों का समाधान होने और निधारित शर्तों के अनुपालन तक कंपनी को लाइसेंस नहीं दिया जाना चाहिए। मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक डॉ. अश्वनी महाजन ने कहा कि सैटेलाइट इंटरनेट के विस्तार के साथ डेटा सुरक्षा, कानूनी निगरानी और संवेदनशील क्षेत्रों में इंटरनेट सेवा पर नियंत्रण सुनिश्चित करना जरूरी है। किसी भी विदेशी तकनीक को अनुमति देने से पहले सुरक्षा एंजेंसियों की जरूरतों और नियामकीय शर्तों के अनुपालन का आकलन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ने 4जी, 5जी और 6जी तकनीक के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देकर दूरदराज के इलाकों तक किफायती इंटरनेट पहुंचाने के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा की जरूरतों को भी पूरा किया जा सकता है। मंच ने सरकार से राष्ट्रीय हितों और डिजिटल संप्रभुता को प्राथमिकता देने की अपील की।

जीजीपीएस चास में वार्षिक प्रदर्शनी विजन एंड क्रिएशन संपन्न

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। जीजीपीएस चास के प्रभाग में परीक्षाफल घोषणा सह सर्वविवेक प्रदर्शनी विजन एंड क्रिएशन का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बहु-चदकर उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया । बच्चों ने अपनी रूचि के अनुसार हर विषयों में एक से बढ़कर एक लगभग 100 से अधिक परियोजना एवं विभिन्न प्रकार के मॉडलों के द्वारा, नृत्य एवं संगीत की जीवंत प्रदर्शन के माध्यम से भी अपनी सृजनशीलता, क्रियाशीलता एवं रचनात्मकता का परिचय दिया । मुख्य अतिथि श्री तरसेम सिंह,अध्यक्ष, जीजीइएस, विशिष्ट अतिथि जीजीएसइएसटीसी के निदेशक श्री प्रियदर्शी जारुहार, जीजीइएस के सचिव श्री सुरेंद्र पाल सिंह,एवं



विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुमन नागिया ने कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन कर सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन किया ।मौके पर विद्यालय प्रबंधय समिति के गणमान्य सदस्य एवं निर्णायक मंडली भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बच्चों की रचनात्मक सोच एवं क्रियाशीलता की भूरि- भूरि प्रशंसा की। मौके पर प्रशंसात्मक शब्दों में अपनी खुशी जाहिर करते हुए जीजीइएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह जी ने कहा- विद्यार्थियों की रचनात्मकता एवं सृजनशक्ति सराहनीय है। बच्चों के

प्रदर्शन ने अन्य विद्यार्थियों के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है। आशा ही नहीं उम्मीद भी हैकि अभी से बच्चे इनसे प्रेरित होकर सफलता के सर्वोच्च शिखर तक पहुँचने में कामयाब होंगे। जीजीइएस के सचिव सुरेंद्र पाल सिंह जी ने छात्रों की हौसला आफ जाई करते हुए कहा -बच्चों के विचारों की उत्पत्ति एवं तरक्की इन्हीं परियोजनाओं के माध्यम से संभव है। विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सुमन नागिया ने छात्रों की क्रियाशीलता पर विशेष बल देते हुए कहाकि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान हैं, इनमें गतिशीलता एवं सृजनशीलता भरना हमारा कर्तव्य है।बच्चे अपने मॉडलों के द्वारा अपना भविष्य निर्धारण करने में सक्षम है। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार का सराहनीय योगदान रहा।

बिभा संवाददाता

बोकारो: दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस महामंत्री एन. एल. कुमार ने इस बात की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि रेलवे बोर्ड ने बुधवार को आरबीई सं. 84/2026 जारी कर वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए उत्पादकता संबंध बोनस (पीएलवी) के नाम पर एक बार फिर रेल कर्मचारियों के साथ छलावा किया है। मान्यता प्राप्त यूनियनें - एआईआरएफ और एनएफआईआर - हर बार रेल भवन में सरकार के साथ गुप्त सहमति कर लेती हैं और बाहर आकर कर्मचारियों को 78 दिन का हक बताकर लॉलीपॉप दिखा देती हैं, जबकि सच्चाई कुछ और ही है.

उन्होंने कहा कि आदेश में कहा गया है कि जहाँ मजदूरी 7000 रुपये से अधिक है, वहाँ भी गणना 7000 रुपये के हिसाब से होगी. आज के महंगाई के दौर में जब एक रेलकर्म की औसत मजदूरी 50000 से ऊपर है, तो उसे 7000 पर अटका देना क्या धोखा नहीं है ? आगे उन्होंने कहा कि आदेश के पैरा 2 में चालाकी से लिख दिया गया है कि जो कर्मचारी किसी भी कारण से पूरे वर्ष सेवा में नहीं रहे, उन्हें सिर्फ 17,951 रुपये दिए जाएंगे. यह प्रावधान अधिकांश रनिंग स्टाफ, नये नियुक्त और मेडिकल छुट्टी पर रहे कर्मचारियों पर सीधा वार है. मेंस कांग्रेस के बोकारो सचिव राजन उपाध्याय ने कहा कि यह बोनस नहीं,

रेल कर्मियों के त्याग का अपमान है. हम दिन-रात, धूप-बारिश, ल्योहार- इतवार को भी रेल चलाते हैं, और हमें 78 दिन का हक कहकर 17951 रुपये की भीख पकड़ा दी जाती है. कहा कि रेल कर्मचारी अब जाग चुका है. मान्यता प्राप्त यूनियनों का यह विश्वासघात अब और नहीं चलेगा. दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस ने मांग की है कि बोनस की गणना वास्तविक वेतन पर हो, 7000 की अग्रेजों के जमाने की सीलिंग खत्म हो. 17951 रुपये की कैपिंग को तुरंत वापस लिया जाए. पीएलवी का भुगतान 78 दिन की वास्तविक मजदूरी के बराबर किया जाए, अन्यथा हमारी मांग सातवीं पे कमिशन की गणना से है और रहेगा.

डांडिया आयोजन का उद्देश्य संस्कृति एवं सद्भावना को बढ़ावा देना: डॉ परिदा सिंह

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर रोटरी क्लब चास द्वारा रोटरी भवन चौरा चास में डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।कार्यक्रम में भक्ति, उत्साह और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे सदस्यों ने मां दुर्गा की आराधना के साथ डांडिया एवं गरबा की मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण को उत्सवमय बना दिया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. परिदा सिंह ने कहा कि नवरात्रि केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नारी शक्ति और आपसी



एकता का प्रतीक भी है। डॉ परिदा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में प्रेम, सौहार्द और पारिवारिक जुड़ाव को बढ़ावा मिलता है। रोटरी क्लब चास के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने आगुंतको का स्वागत करते हुए कहा कि रोटरी सेवा कार्यों के साथ-साथ भारतीय संस्कृति एवं

परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के लिए भी सदैव प्रयासरत है। सचिव बिनोद चोपड़ा ने कहा की डांडिया महोत्सव जैसे आयोजन सदस्यों एवं उनके परिवारों को एक-दूसरे के करीब लाने का सुंदर माध्यम हैं। बिनोद चोपड़ा ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त

किया। डॉ परिदा सिंह और विपिन अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम का समापन मां दुर्गा से सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना के साथ हुआ। इस अवसर पर पूर्व जिला पाल महेश केजरीवाल ,सहायक जिला पाल पूजा बैद, नरेंद्र सिंह माधुरी सिंह ललिता चोपड़ा, संजय बैद, कुमार अमरदीप, उषा कुमार, कमल तनेजा,बिनय सिंह विजय अग्रवाल ,ज्योति अग्रवाल प्रेम शंकर सिंह, अर्चना सिंह, डॉ संजीव कुमार, डॉ सुमन कुमार,डॉ श्रवण कुमार, डॉ पुष्पा, किरण कुमार,शैल रस्तोगी,संजय रस्तोगी, सिद्धार्थ पारख, शिवाजी तनेजा, उषा सिंह ,आरती पारख,नेहा अग्रवाल, धनेश बंका, कविता बंका आदि ने सक्रिय भूमिका निभाई।

मोदी मंत्रिमंडल के अहम फैसले : रेलकर्मियों को दीपावली की सौगात,



विनोद सिंह 'तकियावाला'

14 अक्टूबर की मंत्रिमंडलीय बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पक्षों को सामने रखते हैं। ऐलकर्मियों के लिए बोनस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संतुलित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और विकासित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।



दे सकती है। त्योहारों के दौरान खरीदारी बढ़ने से छोटे व्यापारियों, दुकानदारों और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कारोबारियों को लाभ मिलने की संभावना रहती है। उत्पादकता-संबद्ध बोम्स का महत्व केवल आर्थिक भुगतान तक सीमित नहीं है। यह कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार करने और कार्यकुशलता को प्रोत्साहित करने का माध्यम भी है। रेलवे में सुरक्षा और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकताएँ हैं। आधुनिक तकनीक, नई रेल लाइनों, विद्युतीकरण और उन्नत प्रचालन प्रणालियों के साथ कर्मचारियों का प्रशिक्षण, अनुभव और अनुशासन भी उतना ही आवश्यक है पिछले वर्षों में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण, रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास, माल ढुलाई क्षमता बढ़ाने और सुरक्षा प्रणालियों को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी व्यापक होगा, जब कर्मचारियों को बेहतर कार्य परिस्थितियाँ, आवश्यक प्रशिक्षण और सुविधा वतावरण उपलब्ध कराया जाए। बोम्स जैसे निर्णय कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। इसके साथ ही रेलवे की कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार और यात्रियों के प्रति जवाबदेही बनाए रखने की आवश्यक है। आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से बढ़ा हुआ मंत्रिमंडल की बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश से संबंधित है। सरकार ने फेयरफेक्स फार्नेशियल होल्डिंग्स की स्वयंसेवक कंपनी को बैंक में रणनीतिक हिस्सेदारी खरीदने के लिए स्वीकृति दी है। इस सौदे के तहत केंद्र सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम की संयुक्त 60.72 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 52,878.08 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। घोषित सौदे के अनुसार, शेयर का मूल्य 81 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया गया है, जो स्वतंत्र मूल्यांकन के आधार पर तब 75.99 रुपये के संदर्भ मूल्य से अधिक है। लेनदेन पूरा होने के बाद सरकार और एलआईडीबी की संयुक्त हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रहने की जानकारी दी गई है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में सरकार की भूमिका, निजी निवेश और वित्तीय संस्थानों की कार्यकुशलता से जुड़ी व्यापक बहस को फिर से सामने लाता है। रणनीतिक विनिवेश का उद्देश्य केवल सरकारी हिस्सेदारी के हस्तांतरण नहीं, बल्कि किसी संस्थान को पूंजी, प्रबंधन क्षमता और प्रतियोगिता के लिहाज से अधिक सक्षम बनाने की संभावनाओं से भी जुड़ा होता है। बदलते बैंकिंग परिदृश्य में डिजिटल भुगतान, साइबर सुरक्षा, ग्राहकों को त्वरित सेवाएँ, ऋण वितरण और जोखिम प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में बैंक के लिए आधुनिक तकनीक अपनाना, ग्राहकों का विश्वास बनाए रखना और वित्तीय प्रदर्शन में सुधार करना आवश्यक है। यदि रणनीतिक निवेश से इन क्षेत्रों में सुधार होता है, तो इसका लाभ बैंक की दीर्घकालिक स्थिति को मजबूत करने में मिल सकता है। हालाँकि, इतने बड़े सौदे की सफलता का आकलन केवल सरकार को प्राप्त होने वाली राशि से नहीं किया जाना चाहिए। बैंक के जमाकर्ताओं की सुरक्षा, कर्मचारियों के हित, ग्राहकों को मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और

वित्तीय प्रणाली की स्थिरता भी महत्वपूर्ण है। नियामकीय शक्तों और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए सौते को पूरा करना आवश्यक होगा। यहाँ भी देखना होगा कि स्वामित्व और प्रबंधन में बदलाव के बाद बैंक अपनी सेवाओं को किस प्रकार बेहतर बनाता है। कर्मचारी कल्याण और आर्थिक बुद्धि के बीच संतुलन रेलवे बोस और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश और साथ देखने पर सरकार की दो अलग-अलग नीतियों प्रार्थमिकताएं सामने आती हैं। रेलवे कर्मचारियों को बोस देता का निर्णय उनके योगदान को सम्मानित करने और त्योहार के अवसर पर आर्थिक सहायता पहुंचाने से संबंधित है। वहीं आईडीबीआई बैंक के विनिवेश का उद्देश्य संस्थागत ढांचे और प्रबंधन में बदलाव के माध्यम से बैंक की क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाना है। भारत जैसी विशाल अर्थव्यवस्था में विकास की गति बनाए रखने के लिए बुनियादी ढांचे में निवेश, उद्योगों का विस्तार, रोजगार के अंतर और मजबूत वित्तीय संस्थान आवश्यक हैं। इसके साथ ही कर्मचारियों के हितों और आम नागरिकों की जरूरतों की अदेखी नहीं की जा सकती। आर्थिक सुधार तभी सार्थक होंगे, जब उनका लाभ व्यापक समाज तक पहुंचे और संस्थानों के प्रति जनता का विश्वास बना रहे। रेलवे में कर्मचारियों की कार्यकुशलता और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने से यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकती हैं। दूसरी ओर, बैंकिंग क्षेत्र में निवेश और प्रबंधन सुधार से वित्तीय सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने की संभावना है। दोनों ही मामलों में घोषणाएं से आगे बढ़कर अपने प्रभावी क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, निवेश को प्रोत्साहन और आर्थिक सुधारों को विकास की प्रमुख आधारमिकताओं में रखा गया है। इन प्रयासों का मूल्यवाना इस आर्थिक पर होना चाहिए कि उनसे रोजगार, उत्पादकता, सेवाओं की गुणवत्ता और आम नागरिकों के जीवन में कितना सकारात्मक परिवर्तन आता है। अंततः 14 अक्टूबर की मंत्रिमंडली बैठक के ये दोनों फैसले आर्थिक विकास के दो महत्वपूर्ण पथकों को सामने रखते हैं। रेलमार्गों के लिए बोस का निर्णय श्रम और सेवा के सम्मान का संदेश देता है, जबकि आईडीबीआई बैंक का रणनीतिक विनिवेश वित्तीय क्षेत्र में बदलाव की दिशा को रेखांकित करता है। देश की प्रगति के लिए आवश्यक है कि आर्थिक सुधारों के साथ जनहित सुरक्षित रहे, कर्मचारियों का मनोबल बढ़े और सार्वजनिक संस्थानों की जवाबदेही बनी रहे। विकास की यही संजीवित दृष्टि भारत को मजबूत अर्थव्यवस्था बनाए और विकासित भारत के संकल्प को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

संपादकीय

नशा विरोधी की हत्या

पंजाब के मानसा में नशीले पदार्थ बेचने वालों के खिलाफ मुहिम चलाने वाले एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह की हत्या बताती है कि इस जहरीले कारोबार के खिलाफ लड़ाई कितनी मुश्किल है। यह भी कि नशे के खिलाफ मुक़्दम होने वाले जिम्मेदार नागरिकों की सुरक्षा को लेकर शासन-प्रशासन को गंभीर होना होगा। नशे की लत लगाने वाली टेबलेट बेचने वाले कैमिस्ट के साथ बहस के बाद सैअम यह हत्या की गई। जिससे नशे के कारोबार में सलिल लोगों के दुस्साहस का पता चलता है। घटना बताती कि इस बुराई के खिलाफ काम करने वाले लोगों की सुरक्षा देने में हमारा तंत्र नाकाम हुआ है। पंजाब के ग्रामीण इलाकों में नशे के खिलाफ काम करने वाले गांव के वॉलंटियर्स की हत्याएं पहले भी होती रही हैं। जिससे पता चलता है कि यह खतरा नया नहीं है। इस घटना से जुड़ी पेशान करने वाली बात यह भी है कि हमलावर व मुक्त के बीच रंजिश का पुराना इतिहास रहा है। बताते हैं कि वर्ष 2023 में भी एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह ने कैमिस्ट अश्वनी कुमार के खिलाफ प्रतिबाधित केप्टूल बेचने के आरोप लगाते हुए शिकावत दर्ज करवा दिया था, तब पुलिस ने दुकान के मालिक के खिलाफ मामला तो दर्ज किया था, लेकिन परविंद सिंह पर भी कानून अपने हाथ में लेने का आरोप लगाया था। दरअसल, आरोप था कि उसने कैमिस्ट को गले में जूते पतनाकर बाजार में घुमाया था। अब तीन साल बाद, उसी दुकान पर हुई एक और झड़प में एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह की मौत हो गई। गोलीबारी की इस घटना में परमिंद के चार साथी भी घायल हुए हैं। कुछ लोगों का मानना था कि एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को खुद सीधी कार्रवाई करने के बजाय पुलिस को जानकारी देनी चाहिए थी। अन्यथा पुलिस की मौजूदगी में कोई कदम उठाना चाहिए था। यहां सवाल यह भी है कि क्या पुलिस अपने जालिबों का जिम्मेदारी से निर्वहन कर रही थी? आखिर एंटी ड्रग एक्टिविस्ट परविंद सिंह को खुद इसके खिलाफ क्यों खड़ा होना पड़ा? उल्लेखनीय है कि इससे पहले वर्ष 2023 में, फरीदकोट में हरभगवान सिंह और बठिंडा में जसबीर सिंह, जैसे नशे के खिलाफ काम करने वाले वॉलंटियर्स की हत्या कर दी गई थी। तब भी आरोप लगे थे कि ये हत्याएं नशे के कारोबार का विरोध करने के कारण हुई थीं। निस्संदेह, इस बुराई के खिलाफ लड़ने वाले नया विरोधी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के मामले में बारीकी से जांच करने की जरूरत है। मानसा की घटना की तह तक जाकर पता लगाया जाना चाहिए कि आखिर गोलीबारी की घटना क्यों हुई?

चिंतन-मनन

द्वंद्व के बीच शांति की खोज

देहरा जोई।
कोई व्यक्ति तुम्हें नकारात्मक बातें कहे, तो उसे वहीं रोक दो, उस पर वास भी मत करो। यदि कोई तुम पर कुछ आरोप लगावे, तो उस पर वास न करो। यह जान लो कि वह बस तुम्हारे बुरे कर्मों को ले रहा है और उसे छोड़ दो। यदि तुम गुरु के निकटतम में से एक हो तो संसार के आरोपों को हंसते हुए ले लोगे। दृढ़ संस्कार का स्वभाव है और शान्ति आत्मा का स्वभाव है। दृढ़ के बीच शान्ति की खोज करो। दृढ़ समाप्त करने की चेष्टा दृढ़ को और ज्यादा बढ़ाती है। आत्मा की शरण में आकर विरोध के साथ रहो।
जब शान्ति से मन ऊबने लगे तो सांसारिक क्रिया-कलापों का मजा लो। और जब इससे थक जाओ तो आत्मा की शान्ति में आ जाओ। यदि तुम गुरु के करीब हो, तो दोनों क्रिया कलाप साथ-साथ करोगे। ईश्वर व्यापक हैं। और अन्त काल से ईश्वर सभी विरोधों को रमेशाले कर आ है। यदि ईश्वर सारे विरोधों को ले सकते हैं, तो निश्चित ही तुम भी ऐसा कर सकते हो। जैसे ही तुम विरोध के साथ रहना स्वीकार कर लेते हो, विरोध स्वतः समाप्त हो जाता है। शान्ति चाहते वाले लोग लड़ना नहीं चाहते और इसके विपरीत लड़ाई करने वाले शान्ति पसन्द नहीं करते। शान्ति चाहने वाले लड़ाई से बचना चाहते हैं। आवश्यक यह है कि मन को शांत करें और फिर लड़ें। गीता की यही मूल शिक्षा है। कृष्ण अजरुन को उपदेश देते हैं कि अजरुन युद्ध करो मन हृदय को शान्त रखकर।
संसार में जैसे ही तुम एक विरोध को समाप्त करते हो तो दूसरा खड़ा हो जाता है। उदाहरण के लिए जैसे ही रूस की समस्या समाप्त हुई, बोस्निया की समस्या खड़ी हो गई। एक समस्या हल होती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। तुम्हें चुनना हुआ। वह जरा ठीक हुआ और फिर कर्म में दर्द शुरू हो गया। फिर वह ठीक हो गया। और तो और, शरीर ठीक ठाक है तो मन अशांत हो जाता है। बिना किसी इरादे के गलतफहमियाँ पैदा होती हैं, उलझन पैदा होती है। यह तुम्हारे ऊपर नहीं कि तुम उनका समाधान करो। तुम तो बस उन पर ध्यान न दो, बस जीवन्त रहो।



सौरभ वाष्णोय

त्योहार भारतीय संस्कृति की आत्मा है। दीपावली जैसे पर्व केवल धार्मिक आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि सामाजिक सद्भाव, पारिवारिक एकता और खुशियों के उत्सव भी हैं। दीपों की रोशनी, घरों की सजावट, मिठाइयों का आदान प्रदान और पूजा अर्चना हमारी सांस्कृतिक परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन जब त्योहारों की खुशियां वायु प्रदूषण, सांस संबंधी बीमारियों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट बनकर सामने आने लगें, तब यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि उत्सव मनाने का तरीका कैसा हो। दिल्ली-पुणेसीआर में पटाखों पर रोक लगाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई ने एक बार फिर इसी महत्वपूर्ण सवाल को देश के सामने रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटाखों पर प्रतिबंध की मांग पर सुनवाई करते हुए कहा कि लोगों के स्वास्थ्य और धार्मिक भावनाओं की बांध संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अस्थक्षता वाली पीठ ने लोगों से कम प्रदूषण वाले तरीकों से त्योहार

कल्याण होना च... के स्वास्थ्य और... और परंपरा के... पर विचार कर... नरेश अंजना नहीं... दिल्ली और रा... समय से गंभीर... निकलने वाला... औद्योगिक उल्... प्रदूषण को प्रभा... से निकलने वाल... और बड़ा समा... बुजुर्गों, दमते... रहें लोगों पर प... प्रदूषण का संक... नहीं रहता। पटा... उससे के बाद... उत्सव निकलने...

जीएसटी परिषद के विश्वास, मोदी 3.0 के

लेखक

डॉ० प्रदीप कुमार वर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 का संकल्प स्पष्ट है— व्यापारियों के जीवन और कारोबार को आसान बनाना और अनावश्यक सरकारी हस्तक्षेप को समाप्त करना।

**दंडात्मक भय से मुक्ति: विश्वास
आधारित कर व्यवस्था**

भारत की अर्थव्यवस्था की वास्तविक रीढ़ हमारे करोड़ों छोटे दुकानदार, खुदरा व्यापारी, एम्पसम्पई और कुटीर उद्योग हैं। जब गांव, कस्बे और छोटे शहरों का व्यापारी बिना किसी भय और जटिल कानूनी कागजी कार्रवाई के स्वतंत्र होकर व्यापार करता है, तभी देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होती है। 57वीं जीएसटी परिषद की बैठक में लिए गए दूसरी और साहसिक निर्णय इस दिशा में एक युगांतरकारी कदम हैं। यह केवल कर सुधार नहीं, बल्कि देश के ईमानदार करदाताओं के प्रति सरकार के अदृष्ट विश्वास का प्रमाण है।

न कि ऐसा कोई व्यवहार जो दूसरों के जीवन के लिए परेशानी पैदा करे। धर्म पर फिर जोर देने वाले किसी भी कार्य में समय उसके सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखना चाहिए। राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण लंबे समय से एक बड़ा विषय रहा है। वहाँ नई गाड़ियाँ, निर्माण कार्यों से उड़े वाली धूल, और मौसम संबंधी परिस्थितियाँ समस्या को और गंभीर बना रही हैं। दीपावली के दौरान पटाखों का प्रयोग और सूक्ष्म कण इस समस्या को और गंभीर बना रहे हैं। दीपावली के इसका प्रभाव विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, निम्न साँस संबंधी समस्याओं से जूझने वाले लोगों को अधिक प्रभावित करता है। भारतीय परंपराओं में दीपावली के दौरान धर्म पर प्रकाश और अज्ञान पर विचार करने का एक अच्छा अवसर है। दीपावली के दौरान धर्म पर प्रकाश और अज्ञान पर विचार करने का एक अच्छा अवसर है। दीपावली के दौरान धर्म पर प्रकाश और अज्ञान पर विचार करने का एक अच्छा अवसर है।

जीएसटी परिषद के ऐतिहासिक निर्णय: छोटे व्यापारियों को मिला विश्वास, मोदी 3.0 के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को मिली नई शक्ति



• प्रदीप कुमार वर्मा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मोदी 3.0 का संकल्प स्पष्ट है— व्यापारियों के जीवन और कारोबार को आसान बनाना और अनावश्यक सरकारी हस्तक्षेप को समाप्त करना।

दंडात्मक भय से मुक्ति: विश्वास आधारित कर व्यवस्था

लंबे समय से छोटे व्यापारियों के मन में प्रक्रियात्मक चूकों पर गिरफ्तारियों के और मुकदमों का डर बना रहता था। जीएफटीए परिषद ने धारा 69 के तहत अधिकारियों के गिरफ्तारी के सिधे प्रावधान को समाप्त करने की सैथ हासिक संस्तुति की है। इसके साथ ही अभियोजन की सीमा को 1 करोड़ से बढ़ाकर सिधे 5 करोड़ तक कर दिया गया है तथा सामान्य दंड 25,000 से घटाकर 10,000 कर दिया गया है। 10,000 से कम के कर मामलों में नोटिस न भेजने का निर्णय भी छोटे व्यापारियों को बेवजह की मुकदमेबाजी से मुक्ति दिलाएगा। यह बदलाव 'इस्पेक्टर राज' के अंतिम अवशेषों में मिटाकर पारदर्शी एवं विश्वास-



आधारित प्रणाली स्थापित करता है।

सालाना रिटर्न और तिमाही कर: समय और संसाधनों की बचत

5 करोड़ तक के वार्षिक कारोबार वाले छोटे व्यापारियों के लिए प्रस्तावित 'वार्षिक रिटर्न और तिमाही कर भुगतान' व्यवस्था सबसे व्यावहारिक सुधारों में से एक है। पहले छोटे कारोबारी हर महीने सीए के दफ्तरों के चक्कर काटने और रिटर्न फाइल करने में ही अपना ऊर्जा गुंवा देते थे। अब वे अनुपालन के तनाव से मुक्त होकर अपने व्यवसाय के विस्तार और को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतर-राज्यीय व्यापार की सुविधा देना एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा। अब दूसरे राज्यों में अलग से भौतिक कार्यालय या गोदाम स्थापित करने की बाध्यता नहीं रहेगी। दूरदराज के हस्तशिल्पी और स्थानीय उत्पादक अब पूरे देश के बाजार से सीधे जुड़ सकेंगे। वहाँ, माल परिवहन में वाहनों की अकारण चेकिंग को रोककर केवल

पुख्ता खुफिया सूचना और उच्च अधिकारियों की पूर्व अनुमति तक सीमित करने से लॉजिस्टिक्स लागत घटेगी और स्पलाई चेन तेज होगी।

तेज रिफंड से कार्यशील पूंजी की मजबूती

व्यापार की सबसे बड़ी जरूरत नकदी तरलता होती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 90 प्रतिशत पात्र रिफंड दावों को मात्र 3 कार्य दिवसों में स्वतः (सिस्टम-आधारित) जारी करना और आवेदन स्वीकृति की समय-सीमा 15 से घटाकर 10 दिन करना एएसएसआई क्षेत्र के लिए संजीवनी के समान है। वैसे सरकारी प्रक्रियाओं में महीनों तक अटक नहीं रहेगा, जिससे व्यापारियों को बैंक कौज पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इसके अलावा कर्मचारियों को के स्वास्थ्य व जीवन बीमा, प्लांट व मशीनरी और इन्पुट सेवाओं पर इन्पुट टैक्स क्रेडिट का दायरा बढ़ाने से औद्योगिक निवेश को नई गति मिलेगी।

व्यापार सुगमता और महंगाई पर नियंत्रण का संतुलन

पोआईबी और वित्त मंत्रालय के आंकड़े दर्शाते हैं कि जहां घरेलू आपूर्ति पर प्रभावी औसत कर की दर घटकर लगभग 13.13% पर आ गई है (जो जीएसटी पूर्व 14.5% से भी अधिक थी), वहीं कर आधार बढ़ने और सुगम प्रक्रियाओं के चलते राजस्व में निरंतर दोहरें अंकों की वृद्धि दर्ज हो रही है। आवश्यक वस्तुओं पर कर कम कर दरों और लॉजिस्टिक्स सुगमता में महंगाई को नियंत्रित रखने में अहम भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी और केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण जी के ये निर्णय सिद्ध करते हैं कि हमारी सरकार छोटे व्यापारियों को देश के आर्थिक विकास का सच्चा साथी मानती है। यह नया भारत है—जहाँ व्यापारी पर सदेह नहीं, भरोसा (लिखा जाता है)।

(नेहरू भाषा के राष्ट्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद हैं।)

भारत का नारियल फाइबर क्षेत्र: आजीविका सृजन, उद्यमिता प्रोत्साहन और सतत विकास

उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर 21,000 से अधिक नारियल फाइबर इकाइयां पंजीकृत हैं, जिनसे 23 लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हो रहा है

पिछले 10 वर्षों में नारियल फाइबर उत्पादों के निर्यात में 305 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है

बिहान भारत

भारतजो विश्व में नारियल के रेशे का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है, पारंपरिक उद्योगों में से एक है और नवाचार से प्रेरित है। नारियल का रेशा क्षेत्र आर्थिक और सामाजिक प्रगति के दृष्टिकोण से एक जीवंत, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ चालक के रूप में उभर रहा है। यह न केवल नारियल के छिलकों के उपयोग को बढ़ावा देता हैबल्कि आजीविका भी सृजित करता है और ग्रामीण एवं पारंपरिक समुदायों के विकास में सहयोग प्रदान करता है। स्थिरता, मूल्यवर्धन और समावेशी विकास पर अपने को फोकस करकेनारियल का रेशा क्षेत्र भारत के 2047 तक के विकसित भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। नारियल के रेशे से बनेपर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ उत्पाद जैसे चटाई, गद्दे, रस्सियां, ब्रश और अन्य उपयोगी वस्तुएं हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनती जा रही हैं। लेकिन सवाल यह पैदा होता है कि आखिर नारियल का रेशा होता क्या है ? उल्लेखनीय है कि नारियल का रेशा नारियल के बाहरी, सख्त छिलके से निकाला गया एक प्राकृतिक रेशेदार पदार्थ है। इसे प्राकृतिक रेशों को संसाधित करके कई प्रकार के व्यावसायिक उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है। नारियल का रेशा



क्षेत्रभारत के सबसे पुराने और पारंपरिक उद्योगों में से एक है, जो एक पर्यावरण-अनुकूल विनिर्माण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता है और नारियल के छिलके के रेशों को निकालकरसंसाधित करके मूल्यवर्धित उत्पादों में परिवर्तित करता है। भारत का नारियल फाइबर क्षेत्र:- भारत दुनिया में नारियल के रेशे और उससे बने उत्पादों का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है, जो वैश्विक उत्पादन का लगभग दो-तिहाई हिस्सा है। भारतीय नारियल के रेशे उद्योग का कारोबार लगभग 16,000 करोड़ रुपये का है और यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगभग 1 प्रतिशतका योगदान देता है।वित्त वर्ष 2025-26 मेंभारत के नारियल के रेशे और उससे बने उत्पादों का निर्यात 6,614.40 करोड़ रुपये का था, जिसमें अमेरिका, चीन, नीदरलैंड, स्पेन और ब्रिटेन प्रमुख निर्यात गंतव्य थे। नारियल का गुदा, रेशा, सूत और गुंथी हुई चटाई भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले प्रमुख नारियल उत्पाद हैं।भारतीय नारियल फाइबर क्षेत्र में 21,000 से अधिक नारियल फाइबर इकाइयां हैं और यह 7 लाख से अधिक श्रमिकों को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है, जिनमें से 80 प्रतिशतग्रामीण परिवारों की महिलाएं हैं।लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय कॉयंर विकास योजना



(सीवीवाई) नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना चलाता है, जिसका उद्देश्य कॉयंर क्षेत्र के सतत विकास और वृद्धि को बढ़ावा देना और कॉयंर कारीगरों और कॉयंर उद्योग को सहायता प्रदान करना है।सीवीवाई निम्नलिखित पर केंद्रित है:नारियल उद्योग के लिए नई प्रौद्योगिकियों, मशीनों और उत्पादों का विकास।कौशल प्रशिक्षण और प्रचार कार्यक्रमों का संचालन करना।घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नारियल के रेशे और नारियल के रेशे से बने उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देना।प्रचार गतिविधियों और व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों आदि में भागीदारी के माध्यम से जागरूकता पैदा करना।बिक्री को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में नारियल के रेशे के निर्यातकों की



भागीदारी को सुगम बनाना।नारियल के रेशे से संबंधित आंकड़ों का संकलन और प्रकाशन करना। पिछले 12 वर्षों (2014-15 से) के दौरान प्रमुख उपलब्धियां: ● उद्यम पंजीकरण पोर्टल पर 21,000 से अधिक नारियल के रेशे से बनी इकाइयां पंजीकृत हैं, जिनमें 2.3 लाख लोग कार्यरत हैं और वे औपचारिक लघु एवं मध्यम उद्यम नीति पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा हैं।नारियल के रेशे और नारियल के रेशे से बने उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2014-15 में 1,630.33 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 6,614.40 करोड़ रुपये हो गया है, जो कि चार गुना से अधिक की वृद्धि दर्शाता है और इसमें 305.70 प्रतिशतकी वृद्धि दर्ज की गई है।विभिन्न

प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत 68,000 से अधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें से 80 प्रतिशतसे अधिक महिलाएं हैं।नारियल के रेशे के क्षेत्र में 150 से अधिक नवोन्मेषी मशीनें, प्रौद्योगिकियां और मूल्यवर्धित नारियल के रेशे से बने उत्पाद सक्रिय हैं।विदेशों में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनियों में 1,000 से अधिक निर्यातकों की भागीदारी को सुगम बनाया गया और निर्यात बाजार प्रोत्साहनके तहत 850 से अधिक उद्यमियों को 20 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।भारत भर में 1,400 से अधिक प्रचार कार्यक्रम आयोजित किए गए और 950 से अधिक प्रदर्शनियों में भाग लिया गया।नारियल का रेशा सपनों को पंख देता है: उद्यम और सफलता की प्रेरक कहानियां ● महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले की श्रीमती रंजना रामचंद्र कदम ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत अपने उद्यमशीलता के सपने को साकार किया। इस योजना के तहत उन्होंने कॉयंर बोर्ड के मार्गदर्शन में एक कॉयंर इकाई स्थापित की। कॉयंर बोर्ड कार्यालय के महत्वपूर्ण सहयोग से उन्होंने एक शेंड का निर्माण किया और अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए आवश्यक मशीनी और उपकरण प्राप्त किए।



उनका कारखाना वर्तमान में कॉयंर की रस्सियां, तकिए और डोरमैट का निर्माण करता है। इस उद्यम के माध्यम से उन्होंने छह लोगों को पूर्णकालिक रोजगार प्रदान किया है। ● श्री सुरेंद्रन पी. के नेतृत्व में संपूर्ण प्लस एग्रो फर्टिलाइजर एंटरप्राइजेज, कोझिकोड, केरल को कॉयंर बोर्ड, उप-क्षेत्रीय कार्यालय, कन्नूर और केंद्रीय कॉयंर अनुसंधान संस्थान (सीसीआरआई), कलावूर द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन से मजबूती मिली। उन्होंने कॉयंर पिथ बायो-फर्टिलाइजर के उत्पादन और प्रभावी उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों, प्रदर्शनों और जागरूकता सत्रों में सक्रिय रूप से भाग लिया। महज एक वर्ष के भीतरउनके उद्यम ने सफलतापूर्वक 500 से अधिक ग्राहकों का आधार बना लिया है। इकाई ने 20 टन से अधिक कॉयंर पिथ बायो-फर्टिलाइजर की प्रभावशाली बिक्री भी दर्ज की है। उद्यम वर्तमान में 2 महिला श्रमिकों सहित 5 श्रमिकों को रोजगार प्रदान करता है। 3. आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले की श्रीमती अल्लम गैथमी ने पांच वर्ष पूर्व कॉयंर बोर्ड प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया। तकनीकी मार्गदर्शन से प्रेरित होकर उन्होंने अपना उद्यमएडिगो कॉयंर

प्रोडक्टसस्थापित किया। उन्होंने पीएमईजीपी के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त की। आजइस इकाई का वार्षिक कारोबार लगभग 35 लाख रुपये है और यह लगभग 10 लाख रुपये का वार्षिक लाभ अर्जित करती है। इस उद्यम ने छह महिलाओं को रोजगार भी प्रदान किया है। वे कॉयंर बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालयराजामुंद्री और मंडल परिषद के अधिकारियों के सहयोग से सक्रिय रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित करती हैं और लगभग 120 महिलाओं को कॉयंर मैट बुनाई, रस्सी बनाने और हस्तशिल्प उत्पादन का प्रशिक्षण दिया गया है। ● केरल के अलाप्पुझा निवासी श्री जी. साबू ने पीएमईजीपी योजना के तहत और कलावूर स्थित कॉयंर बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय के माध्यम से वर्ष 2024 में कॉयंर कताई इकाई की शुरुआत की। संचालन के दो वर्षों के भीतर ही इकाई ने अलाप्पुझा की स्थानीय कॉयंर समितियों और निमाताओं को कॉयंर सूत और रस्सी की आपूर्ति का स्थिर उत्पादन हासिल कर लिया। इस उद्यम ने उल्लेखनीय वृद्धि हुई, जिससे उद्यमी को स्थिर आय प्राप्त हुई और कर्मचारियों को नियमित वेतन मिलने लगा।

संपूर्ण आहार है दलिया, डायबिटीज को करता है नियंत्रित

गेहूं को रीफाईंड करके तैयार किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में दलिया भी शामिल है, जो खाने में स्वादिष्ट होने के साथ स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर दलिया अपने आप में संपूर्ण आहार है। आहार-विशेषज्ञ ओट्स को सुपरफूड की श्रेणी में रखते हैं और इसके नियमित सेवन की सलाह देते हैं।

डायबिटीज को करे नियंत्रित

दलिया में मौजूद फाइबर, कॉम्प्लेक्स कार्बोहाइड्रेट और मैग्नीशियम से डायबिटीज टाइप-2 के मरीजों में ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। ये तत्व ऐसे एंजाइम बनाते हैं, जिनकी वजह से भोजन धीरे-धीरे पचता है। इससे ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। यह रक्त में ग्लूकोज को कम मात्रा में रिलीज करता है और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रित रखता है।

ऊर्जा का स्तर सुधारे

फैट फ्री या लो कैलरी वाला दलिया ऊर्जा का अच्छा स्रोत है। दलिया में मौजूद प्रोटीन और विटामिन पूरे दिन आपको ऊर्जावान बनाए रखने में मदद करते हैं। इसलिए आहार विशेषज्ञ नाश्ते में एक कटोरी दलिया के सेवन को सेहत के लिहाज से फायदेमंद मानते हैं।

प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए

दलिया में मौजूद फाइबर आसानी से अवशोषित हो जाता है, जो व्हाइट ब्लड सेल्स को मजबूत बनाता है। इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत बनती है। दलिया से मिलने वाले मैग्नीशियम, सेलिनियम और जिंक शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। सुपाच्य गुणों के कारण दलिये से बना आहार मरीजों को देने की सलाह दी जाती है।

वजन को रखे नियंत्रित

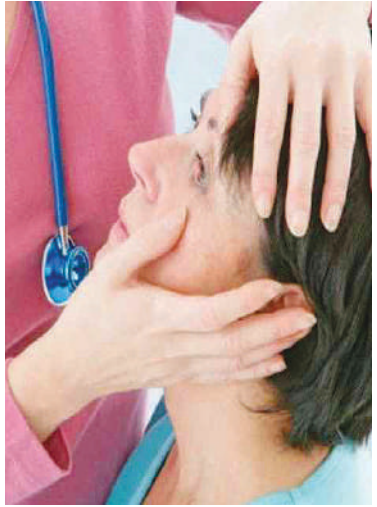
वसा-रहित एवं कम कैलरी वाला होने के कारण दलिया वजन को नियंत्रित रखता है। गेहूं से बना दलिया फाइबर, कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। नियमित रूप से दलिया का सेवन करने से पेट देर तक भरे होने का एहसास कराता है।



दांतों को दे मजबूती

दलिया में कैल्शियम, मैग्नीशियम, फास्फोरस आदि भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हमारी हड्डियों और दांतों के स्वास्थ्य के लिए मददगार साबित होते हैं। इसके नियमित सेवन से भरपूर पोषण मिलता है। बढ़ती उम्र में हड्डियों की कमजोरी और जोड़ों में दर्द होने की आशंका बढ़ जाती है, जिसे नियंत्रित रखने के लिए दलिये का सेवन कर सकते हैं।

एनीमिया से बचाए



इसमें मौजूद प्रोटीन, आयरन, मैग्नीशियम शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर को बनाए रखते हैं। इससे शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया की आशंका नहीं रहती।

त्वचा को बनाए खूबसूरत

दलिया में मौजूद विटामिन बी मेटाबॉलिज्म को ठीक रखने में मदद करता है। यह त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाता है। इसे दूध में मिलाकर त्वचा पर स्क्रब करने से रूखी या बेजान त्वचा में चमक आ जाती है। इसका फेसपैक लगाने से त्वचा मुलायम और खूबसूरत होती है।

सेवन में बरतें सावधानी

इसे 5 से 70 साल तक, हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होने के कारण यह आसानी से पच जाता है। एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में एक कटोरी दलिया खा सकता है। बेहतर होगा कि नमकीन दलिया बनाते समय एक मुट्ठी मूंग धुली हुई दाल और एक कटोरी पसंदीदा मिक्स सब्जियां डालकर पकाएं। इससे प्रोटीन और विटामिन प्रचुर मात्रा में मिलेंगे। नमकीन दलिया के साथ दही का सेवन ज्यादा फायदेमंद है। मीठे दलिया में दूध, ड्राई फ्रूट्स और पसंदीदा फल मिलाकर खाने से इसकी पौष्टिकता बढ़ जाती है।

बॉडी बिल्डिंग में सहायक

दूध मिलाकर बनाया गया मीठा दलिया प्रोटीन से भरपूर होता है, जो बॉडी बिल्डिंग के शौकीनों के लिए फायदेमंद होता है। प्रोटीन शरीर के विकास और मसल्स के निर्माण के अलावा शरीर को मजबूती प्रदान करने में मदद करता है।



रेसिपी



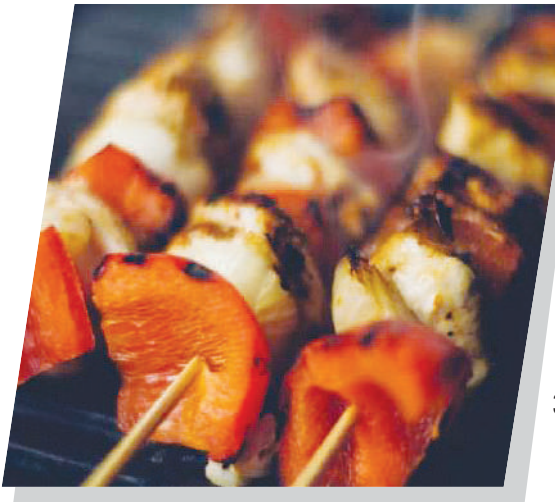
विधि

ऑलिव्स को अच्छी तरह धोकर साफ करें। किसी कपड़े पर फैला दें और पानी सुखने दें। सॉसपैन में सौंफ डालकर तीन मिनट तक भूनें। अब इसमें नींबू के छिलके एवं स्लाइसेज में कटा नींबू डालें। अब तेज पता तोड़कर डालें। इसमें अब ऑलिव्स डालकर चलाएं। ऑलिव ऑयल और ऑरिगेनो डालें। इसे तीन मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। ऊपर से नमक डालकर दोबारा मिलाएं। ऑलिव सैलेड को बोल में निकालें। ध्यान रखें, इसे हलका गर्म ही सर्व करें।

ऑलिव सैलेड

सामग्री

- काले एवं हरे ऑलिव्स: 200 ग्राम
- 2 नींबू के छिलके
- 2 पतली स्लाइसेज में कटे नींबू
- 2 तेज पता
- ऑलिव ऑयल: 1 कप
- सौंफ: 1.5 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर या ऑरिगेनो: 1 टेबलस्पून
- नमक
- कुछ पुदीना



विधि

मैरिनेशन के लिए एक बोल में हंग कर्ड, गरम मसाला, अदरक-लहसुन का पेस्ट और काजू का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें पालक का पेस्ट डालें। पनीर को मोटे स्लाइसेज में काटें और इस मिक्सचर में अच्छी तरह लपेटें। इसे आधे घंटे के लिए मैरिनेट होने दें। अब इसे ग्रिल पैन में दोनों ओर से सुनहरा होने तक सेंक लें। प्लेट में पनीर टिक्का को निकालें और ऊपर से नींबू का रस डालकर सर्व करें।

पनीर टिक्का

सामग्री

- पनीर: 750 ग्राम
- पालक का पेस्ट: 1 कप
- हंग कर्ड: 1 कप
- जीरा पाउडर: 1 टीस्पून
- काजू का पेस्ट: 1 टीस्पून
- भुना बेसन: 3 टेबलस्पून
- हरी मिर्च का पेस्ट: 1 टीस्पून
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 3 टीस्पून
- ऑयल: 2 टेबलस्पून
- 1 नींबू का रस
- गरम मसाला: 1 टीस्पून
- नमक: स्वाद के अनुसार

एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई :
अंतरराज्यीय अवैध हथियार
तस्कर गिरोह का भंडाफोड़, तीन
गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस के रोहिणी जिला स्थित विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अवैध हथियारों की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन शांतिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलाह और गोला-बारूद बरामद किया है। पकड़े गए हथियारों में भारतीय आयुध कारखाने की मुहर और निशान वाली पिस्तौल, चार अन्य पिस्तौल,एक.32 बोर की रिवाँल्वर, एक देसी कट्टा, 52 कारतूस, एक चाकू और दो चार पहिया वाहन शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवेश उर्फ प्रिंस (25), राहुल ग्रेवाल उर्फ पिंकू (26) और आकाश (26) के रूप में हुई है। प्रवेश पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। च के दौरान राहुल और आकाश को हथियारों के साथ दबोचा था, जिससे पुछताछ के बाद मुख्य आपूर्तिकर्ता प्रवेश का सुराग मिला। इसके बाद एसटीएफ की टीम ने बुद्ध विहार इलाके से प्रवेश को एक महिंद्रा स्कॉर्पियो कार में हथियार पहुंचाने आते समय गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि इस गिरोह के तार विक्री हदल गैंग से जुड़े हुए हैं। बरामद किए गए हथियार असली और अव्यति्त बताए जा रहे हैं, जिनके सीरियल नंबर पुलिस को गुमराह करने के लिए मिटा दिए गए थे।

उत्तराखंड में गुटखा और तंबाकू
उत्पादों पर एक साल का प्रतिबंध

-सीएम धामी ने नशा-मुक्त मिशन को दी रपतार

देहरादून (एजेंसी)। देवभूमि उत्तराखंड को नशा-मुक्त बनाने के अपने संकल्प को आगे बढ़कर राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुटखा, पान मसाला और सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों के निर्माण व बिक्री पर एक वर्ष का पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। इस निर्णय की घोषणा कर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे के गर्त में जाने से बचना और उनके भविष्य को सुरक्षित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट किया कि नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों की प्रतिवर्ष समीक्षा की जाती है, जिसके आधार पर यह सख्त कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश को नशा-मुक्त बनाने के विजन को साकार करने के लिए उत्तराखंड सरकार प्रतिबद्ध है, क्योंकि युवाओं का भटकाव सीधे तौर पर देश और प्रदेश के भविष्य को प्रभावित करता है। प्रशासनिक बैठक को संबोधित कर सीएम धामी ने मानसुत के बाद जनजीवन को सामान्य बनाने और खराब सड़कों की त्वरित मरम्मत के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को जन चौपाल, रात्रि चौपाल और तहसील दिवस के माध्यम से सीधे धरातल पर उतरकर आम जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने को कहा। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास कार्यों की सीधी निगरानी और युवाओं को प्रगति के अवसर प्रदान करने पर भी बल दिया।

एंटी-ड्रग सामजिक कार्यकर्ता
परविंदर झोटा की हत्या से
हड़कंप : मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मानसा (एजेंसी)। पंजाब के मानसा में नशे के खिलाफ मुखर आवाज उठाने वाले चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की निर्मम हत्या के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया है। घटना से आक्रोशित निहंग सिखों और स्थानीय लोगों ने मुख्य आरोपी के घर में जमकर तोड़फोड़ की, सामान बाहर फेंक दिया और उसकी दुकान को आग के हवाले कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखकर पंजाब की भगवंत मान सरकार ने सख्त रुख दिखाकर मुख्य आरोपी अश्वनी कुमार के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया है। वहीं, पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर मुख्य शूटर अश्वनी को बुधवार सुबह गिरफ्तार किया है। यह सनसनीखेज वारदात एक फार्मसी में अंजाम दी गई थी। सोशल वर्कर झोटा सोशल मीडिया पर लाइव आकर नशे के सौदागरों का पर्दाफाश करने के लिए मशहूर थे। घटना वाले दिन उनका मेडिकल स्टोर मालिक अश्वनी कुमार से विवाद हुआ था, जिस पर झोटा ने कथित तौर पर सिंथेटिक ड्रग्स बेचने का आरोप लगाया था। इस बहस के दौरान आरोपी ने पिस्तौल निकालकर उन पर गोलियां चला दीं। पूरी वारदात का खोफनाक वीडियो भी सामने आया है। गौरतलब है कि अपनी हत्या से कुछ ही दिन पहले झोटा ने मानसा में फल-फूल रहे अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार की सीबीआई जांच कराने की मांग की थी। पंजाब में नशा विरोधी अभियानों से जुड़े कार्यकर्ताओं की सुरक्षा को लेकर अब गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। यद्यपि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है और अवैध पसलियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन जनआक्रोश को देखकर मानसा में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है।

रेस्टोरेंट में लगी आग, खिड़की से
कूदकर लोगों ने बचाई जान

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के मौजपुर इलाके में मंगलवार रात एक रेस्टोरेंट के किचन में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग से बचने लोग पहली मंजिल की खिड़की से नीचे कूद गए। घटना के सामने आए वीडियो में कुछ लोग अपने बच्चों को भी खिड़की से नीचे उतारते नजर आ रहे हैं। पुलिस के मुताबिक इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक मौजपुर स्थित उष्म रेस्टोरेंट के किचन में मंगलवार रात आग लगी। आग लगते ही रेस्टोरेंट में मौजूद लोगों के बीच भगदड़ मच गई।

कांग्रेस का शाह से सवाल... मतदाता सूची से
हटाए गए 14 करोड़ लोग वास्तव में घुसपैटिए हैं?

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर अपना हमला और तेज किया है। कांग्रेस महासचिव और सांसद जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री से सीधा और तीखा सवाल पूछा कि क्या वह यह कहना चाहते हैं कि इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए करीब 14 करोड़ भारतीय नागरिक वास्तव में घुसपैटिए हैं? कांग्रेस नेता रमेश ने इस सवाल के जरिए शाह के उन दावों पर निशाना साधा है, जिसमें वे विपक्ष पर घुसपैटियों को बचाने का आरोप लगाते रहे हैं। जयराम रमेश ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की पूरी कवायद को शाह इस्टीमेटेड रिमूवल (शाह द्वारा उकसाया गया निष्कासन) करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री शाह की जोड़ी ने सुनियोजित तरीके से करीब 14 करोड़ वैध भारतीय नागरिकों को उनके सबसे बुनियादी मताधिकार से वंचित कर दिया है।



कांग्रेस नेता ने गंभीर सवाल उठाया कि यदि गृह मंत्री के दावों को सही मान लिया जाए कि मतदाता सूची से हटने वाले लोग घुसपैटिए हैं, तब क्या इसका यह मतलब है कि उनकी निगरानी में देश में 14 करोड़ घुसपैटिए चोरी-छिपे दाखिल हो गए थे, जिन्हें अब जाकर हटाया गया है?

कांग्रेस नेता ने एसआईआर का कड़ा विरोध कर गृह मंत्री शाह से तीन स्पष्ट सवाल पूछे। उन्होंने जानना चाहा कि इस प्रक्रिया के दौरान अब तक कितने वास्तविक घुसपैटियों की पहचान की गई है, उनमें से कितने के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, और महत्वपूर्ण रूप से, उनमें से कितने को देश से बाहर

निकाला गया है? जयराम रमेश ने कहा कि देश के करीब 100 करोड़ नागरिकों को इस कठिन और लंबी प्रक्रिया से गुजरना पड़ा है, इसके बाद जनता को इस पूरी कवायद के वास्तविक और पारदर्शी नतीजे जानने का पूरा अधिकार है। उनका कहना है कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि इस व्यापक अभियान का अंतिम उद्देश्य क्या था और क्या यह सफल रहा। कांग्रेस की तीखी प्रतिक्रिया केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस हालिया बयान के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने विपक्ष पर वोट बैंक की राजनीति के लिए घुसपैटियों को बचाने का आरोप लगाया था। शाह ने अपने बयान में स्पष्ट किया था कि मतदाता सूची में बने रहने के लिए भारतीय नागरिकता और निर्धारित आयु ही एकमात्र कानूनी और अटल पैमाना है। इस आरोप-प्रत्यारोप से आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची की शुचिता को लेकर राजनीतिक बहस और तेज होने की संभावना है।

पंजाब बीजेपी का आम आदमी
पार्टी सरकार पर हमला

-सीबीआई जांच और सीएम के
इस्तीफे की मांग

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब के मानसा में नशा-विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा की दिनदहाड़े गोली मारकर की गई हत्या के बाद राज्य की राजनीति में सियासी उबाल है। पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष केवल सिंह द्विवे ने इस हत्याकांड के पीछे पुलिस और लोकल तंत्र की नाकामी का आरोप लगाकर राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को पत्र लिखा है। बीजेपी ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की मांग की है और बिगड़ती कानून-व्यवस्था का हवाला देकर मुख्यमंत्री भगवंत मान के तुरंत इस्तीफे की मांग की है। पंजाब बीजेपी अध्यक्ष द्विवे ने कहा कि पंजाब में रोजाना हत्याएं, गैंगवार और नशा तस्करी की घटनाएं हो रही हैं, जिससे सूबे में भय का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि झोटा

की हत्या उस समय की गई जब उन्होंने नशीली दवाएं बेचने वाली एक केमिस्ट दुकान का भंडाफोड़ किया था। मुक्त के पिता के बयानों का हवाला देकर बीजेपी नेता ने दावा किया कि यह अवैध कारोबार लोकल विधायक और पुलिस तंत्र की मिलीभगत से चल रहा है। बीजेपी नेता द्विवे ने राज्य सरकार की घेराबंदी कर कहा कि आज ही सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब पुलिस के अधिकारी को 15 किलोग्राम हेरोइन के साथ रो हाथों पकड़ा है, जो यह साबित करता है कि नशे के कारोबार को प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने अमृतसर में बैंक मैनेजर को गोली मारे जाने और मोहाली मुठभेड़ जैसी घटनाओं का जिक्र कर कहा कि मुख्यमंत्री, जिनके पास गृह विभाग भी है, राज्य को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल साबित हुए हैं। बीजेपी ने पूरे पंजाब में घटना के विरोध में प्रदर्शन शुरू कर कहा है कि केवल भाजपा ही राज्य को नशा मुक्त बना सकती है।

विधानसभा चुनाव से पहले सपा को झटका:
3 बागी विधायक भाजपा में शामिल

अखिलेश यादव की बड़ी चुनौती

लखनऊ, एजेंसी।

उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। सपा के तीन प्रमुख बागी विधायक, राकेश प्रताप सिंह (गौरीगंज, अयोध्या), अभय सिंह (गोसाईगंज, अयोध्या) और विनोद चतुर्वेदी (कालपी, जालौन), आधिकारिक तौर पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। इन तीनों विधायकों ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के टिकट पर जीता था, लेकिन 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान इन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में क्रॉस-वोटिंग की थी, जिसके बाद से ही इनके भाजपा में जाने की अटकलें तेज थीं। भाजपा में शामिल होने के बाद तीनों विधायकों ने समाजवादी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर जमकर हमला बोलकर अपने दल-बदल के पीछे के कारणों का खुलासा



किया। गोसाईगंज से विधायक अभय सिंह ने कहा कि रामचरितमानस का अपमान करने वालों और भगवान श्री राम के दर्शन से रोकने वालों का साथ देना उनके लिए संभव नहीं था। कालपी से विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि अयोध्या में राम

मंदिर के भव्य उद्घाटन के समय सपा ने हाईकमान द्वारा विधायकों को दर्शन करने से रोकना करोड़ों लोगों की जन-आस्था पर सीधी चोट थी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास कार्यों की सराहना कर कहा कि जनता के समग्र विकास के

लिए उन्होंने भाजपा का दामन थामा है। गौरीगंज के विधायक राकेश प्रताप सिंह ने दावा किया कि उनके क्षेत्र की 98 प्रतिशत जनता और बूथ स्तर के कार्यकर्ता भी सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ करीब एक हजार स्थानीय जनप्रतिनिधि भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। इस राजनीतिक घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर यूपी सरकार के मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जन-कल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर जन-प्रतिनिधि लगातार भाजपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। तीन विधायकों के इस दलबदल से आगामी लोकसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी के रणनीतिक खेमे को एक बड़ा नुकसान पहुंचा है, और यह अखिलेश यादव के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर सकता है।

एसआईआर को लेकर ओवैसी ने किया सुप्रीम
कोर्ट का रुख, प्रक्रिया के तरीके को दी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी।

एसआईआर को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया को कई लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। एआईएमएसआईएम के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है और चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तरीके को चुनौती दी है। ओवैसी के अलावा वकील प्रशांत भूषण ने दिल्ली एसआईआर का मामला सुप्रीम कोर्ट में रखा। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फॉर्म-6 में घोषणा पत्र भरवाया जा रहा है कि आपने कभी वोट नहीं दिया है, जो वोटर कहीं से शिफ्ट होकर आया है, उसे फॉर्म-8 भरने का मौका मिलना चाहिए। लिस्ट में सुधार की अंतिम तारीख 30 अक्टूबर है। सुप्रीम कोर्ट ने 30 अक्टूबर ही सुनवाई की तारीख रखी है। इस याचिका को पहले सुना जाए। वकील प्रशांत भूषण की याचिका सुनकर चीफ जस्टिस ने कहा कि हम 28 अक्टूबर को सुनवाई करेंगे। आपकी चिंता का समाधान करने की कोशिश करेंगे। बता दें एसआईआर को लेकर जमकर बवाल मचा हुआ



है। विपक्ष सरकार पर लगातार हमला बोल रही है। इतना ही नहीं मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग भी की जा रही है। ज्ञानेश के इस्तीफे की मांग को लेकर देशभर में प्रदर्शन हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में भी एसआईआर को लेकर कई याचिका दायर की गई हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने ये

हुआ है। इस रिपोर्ट में चुनाव आयुक्तों सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी की ओर से एसआईआर से जुड़े फैसलों पर कई बार आपत्ति जताए जाने की बात कही गई है, जिसके बाद से ज्ञानेश कुमार को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। हालांकि चुनाव आयोग ने ये रिपोर्ट सामने आने के बाद सफाई दी

एलएसी पर शांति के बिना चीन से रिश्ते सामान्य होना संभव नहीं: जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत-चीन संबंधों को लेकर देश का रुख फिर पूरी तरह स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच संबंधों को सामान्य बनाने के लिए वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता का बना रहना सबसे प्राथमिक और अनिवार्य शर्त है। ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम में जयशंकर ने कहा कि सीमा पर किसी भी प्रकार की गड़बड़ या तनाव का सीधा असर दोनों देशों के द्विपक्षीय,

व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर पड़ेगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने उल्लेख किया कि वर्ष 2024 के बाद से एलएसी पर स्थिति में सुधार आया है और उसी अनुपात में दोनों देशों के रिश्तों में भी धीरे-धीरे सामान्य स्थिति की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में साढ़े चार साल तक चले सैन्य गतिरोध के बाद अब विश्वास बहाली के उपाय हो रहे हैं। जब विदेश मंत्री जयशंकर से चीन से आने वाले निवेश और व्यापारिक ढील के बारे में पूछा गया, तब

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत व्यापार के लिए सीमा विवाद के पूर्ण समाधान की शर्त नहीं रख रहा है, लेकिन सीमा पर शांति और स्थिरता जरूरी है। व्यापारिक और बाजार पहुंच से जुड़ी नीतियों पर अलग से और स्थिति का आकलन करके निर्णय लिया जाएगा। जयशंकर ने चीन के साथ बढ़ते व्यापार असंतुलन पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार पूरी तरह से चीन के पक्ष में झुका हुआ है। भारतीय कंपनियों को चीनी बाजारों में वह समान मौके और पहुंच नहीं मिल

पा रही है, जो भारत ने चीनी कंपनियों को अपने बाजार में दी है। 2020 की गलतवान घाटी की हिंसक झड़प का जिक्र कर विदेश मंत्री ने कहा कि 1975 से 2020 तक पूरे 45 वर्षों तक सीमा पर शांति बनी रही और कोई खून-खराबा नहीं हुआ था। लेकिन 2020 की घटना ने उस चार दशक पुरानी यथार्थश्र्ति को तोड़ दिया, जिससे दोनों देशों के संबंधों में गंभीर तनाव आ गया। ज्ञानेश से चीन के पक्ष में झुका हुआ है। संबंधों की दिशा सीमा पर अमन-चैन से ही तय होगी।



संक्षिप्त डायरी

बिक्रम में कैंची से हमला कर वार्ड सदस्य की हत्या, दरवाजा खुलवाकर घर में घुसे आरोपी एजेंसी

पटना। के बिक्रम के जमालपुर गांव में वार्ड सदस्य करीमन साव की कैंची से हमला कर हत्या कर दी गयी. पुलिस ने आरोपित विकास कुमार को गिरफ्तार किया है और फर्रिसिक टीम ने घटनास्थल की जांच की है. पटना जिले के बिक्रम थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में एक वार्ड सदस्य की कैंची से हमला कर हत्या कर दी गयी. मृतक की पहचान अख्तियारपुर मझौली पंचायत के वार्ड संख्या 11 के सदस्य करीमन साव के रूप में हुई है. घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गयी. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले के आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है. घर का दरवाजा खुलवाकर किया हमला मिली जानकारी के अनुसार, घटना बीती रात की है. एक व्यक्ति ने करीमन साव के घर का दरवाजा खुलवाया और उन पर कैंची से ताबड़तोड़ हमला कर दिया. परिजनों के मुताबिक, हमलावर ने जान से मारने की नीयत से उनके गले और पेट में कैंची धोप दी. हमले में करीमन साव गंभीर रूप से जखमी हो गये और काफी खून बहने लगा. वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गया. अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित किया घटना की सूचना मिलने पर बिक्रम थाना पुलिस मौके पर पहुंची. पुलिस घायल करीमन साव को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी), दतियाना ले गयी. वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मौत की खबर मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गयी. घटना के बाद से गांव में शोक का माहौल है. महाजपुरा गांव से आरोपित गिरफ्तार पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित को महाजपुरा गांव से गिरफ्तार कर लिया. उसकी पहचान नौबतपुर थाना क्षेत्र के कोरावां गांव निवासी विकास कुमार के रूप में हुई है. पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है, ताकि हत्या के कारणों का पता लगाया जा सके. घटनास्थल से खून से सनी कैंची बरामद् पुलिस ने घटनास्थल के पास से खून से सनी कैंची बरामद की है. मामले की गंभीरता को देखते हुए फर्रिसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल की जांच की. पुलिस हत्या के पीछे की वजह और वारदात से जुड़े अन्य पहलुओं की पड़ताल कर रही है. जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

20 अक्टूबर को गंगा में नावों के परिचालन पर रोक, जानें वजह एजेंसी

पटना। में विजयादशमी के अवसर पर गंगा नदी में नावों के परिचालन पर रोक लगा दी गई है. श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है. जानें प्रतिबंध की अवधि. विजयादशमी के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पटना में गंगा नदी में नावों के परिचालन पर रोक लगायी गयी है. पटना सदर की एसडीओ कृतिका मिश्रा ने इस संबंध में आदेश जारी किया है. आदेश के अनुसार, 20 अक्टूबर को नावों के परिचालन पर रोक रहेगी. यह प्रतिबंध मूर्ति विसर्जन की प्रक्रिया समाप्त होने तक प्रभावी रहेगा. मूर्ति विसर्जन के बाद गंगा स्नान करने पहुंचते हैं श्रद्धालु 20 अक्टूबर को विजयादशमी है. इसके बाद दुर्गा पूजा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जायेगा. इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के गंगा घाटों पर पहुंचने की संभावना है. श्रद्धालुओं के निजी नावों के माध्यम से नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक आने-आने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने यह कदम उठाया है. ओवरलौडिंग से हादसे की आशंका प्रशासन को आशंका है कि इस दौरान नाविक यात्रियों की संख्या निर्धारित क्षमता से अधिक रख सकते हैं. नावों पर ओवरलोडिंग होने से नदी में दुर्घटना की आशंका बढ़ सकती है. इसी को ध्यान में रखते हुए लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नावों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय लिया गया है. मूर्ति विसर्जन समाप्त होने तक लागू रहेगा प्रतिबंध पटना सदर एसडीओ कृतिका मिश्रा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, नावों के परिचालन पर प्रतिबंध 20 अक्टूबर से मूर्ति विसर्जन की समाप्ति तक प्रभावी रहेगा. इसका उद्देश्य विसर्जन के दौरान गंगा नदी में संभावित दुर्घटनाओं को रोकना और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है.

जिंदा भी आते तो नहीं बचा पाते, वैशाली नाव हादसे पर डॉक्टर ने बतायी PHC की हकीकत एजेंसी

पटना। वैशाली नाव हादसे के बाद राघोपुर पीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि अस्पताल में 19 लोगों को लाया गया था. इनमें 13 बच्चे मृत अवस्था में पहुंचे, जबकि चार बच्चों और दो वयस्कों को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर किया गया. डॉक्टर ने पीएचसी में सीमित संसाधनों और गंभीर मरीजों के इलाज की चुनौतियों पर भी बात की. राघोपुर में हनु नाव हादसे के बाद पीड़ितों को सबसे पहले स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) लाया गया. यहां कुल 19 लोगों को पहुंचाया गया, जिनमें 13 बच्चे मृत अवस्था में थे. वहीं, चार बच्चों और दो वयस्कों को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया. पीएचसी के मेडिकल ऑफिसर डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि हादसे की सूचना मंगलवार रात करीब 8:30 बजे मिली थी. इसके बाद अस्पताल से एंबुलेंस भेजी गयी और इमरजेंसी टीम को तैयार किया गया. 13 बच्चे मृत अवस्था में पहुंचे, छह लोगों को किया गया रेफर मेडिकल ऑफिसर डॉ. निर्मल कुमार के अनुसार, पीएचसी में कुल 19 लोगों को लाया गया था. इनमें 13 बच्चे मृत अवस्था में पहुंचे थे. शेष छह लोगों में चार बच्चे और दो वयस्क शामिल थे. डॉक्टर ने बताया कि इन सभी को प्राथमिक उपचार देने के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए रेफर किया गया. रेफर किये गये लोगों में एक वयस्क की उम्र करीब 60 से 65 वर्ष बतायी गयी, जबकि बच्चों की उम्र लगभग पांच से 15 वर्ष के बीच थी. डॉक्टर के मुताबिक, रेफर किये गये छह लोगों की स्थिति स्थिर होने की जानकारी मिली थी. उन्हें आगे के उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा गया.
देर से अस्पताल पहुंचने के कारण बचाने में हुई परेशानी डॉ. निर्मल कुमार ने बताया कि जिन बच्चों को मृत अवस्था में लाया गया, उनमें जीवन के संकेत नहीं मिल रहे

प्रयागराज होकर दौड़ेगी स्पेशल वंदे भारत, दिवाली-छठ पर दिल्ली से पटना जाना होगा आसान एजेंसी

पटना। त्योहारी सीजन में स्पेशल वंदे भारत एक्सप्रेस दिल्ली से पटना के बीच चलेगी. जानें इसका रूट, ठहराव और समय सारणी. दिवाली-छठ पर यात्रा होगी आसान. दीपावली की रौनक और छठ महापर्व की आस्था के बीच घर लौटने की तैयारी कर रहे यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है. त्योहारों में ट्रेनों की भीड़ और लंबी वेटिंग के बीच रेलवे ने नई दिल्ली से पटना के बीच विशेष वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का फैसला किया है. 16 कोच वाली यह पूरी तरह आरक्षित ट्रेन कानपुर और प्रयागराज होकर गुजरेगी. इससे दिल्ली और बिहार के बीच सफर करने वाले यात्रियों को सहूलियत मिलेगी. यह विशेष सेवा 16 अक्टूबर से 26 नवंबर तक संचालित होगी. 16 और 18 अक्टूबर को दिल्ली से खुलेगी ट्रेन रेलवे की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, ट्रेन संख्या 02252 नई दिल्ली-पटना स्पेशल वंदे भारत की शुरुआती यात्राएं 16 और 18 अक्टूबर को होंगी. वापसी में ट्रेन संख्या 02251 पटना-नई दिल्ली स्पेशल 17 और 19 अक्टूबर को चलेगी. इसके बाद 21 अक्टूबर से 26 नवंबर तक ट्रेन का संचालन सप्ताह में तीन दिन किया जाएगा. त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इस विशेष सेवा को शुरू किया जा रहा है. सप्ताह में तीन दिन होगा परिचालन 21 अक्टूबर से नई दिल्ली से यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शनिवार को रवाना होगी. वहीं, पटना से वापसी में इसका परिचालन मंगलवार, गुरुवार और रविवार को होगा. ट्रेन में सभी सीटों के लिए आरक्षण अनिवार्य रहेगा. यात्रियों को सफर से पहले उपलब्धता और यात्रा की तारीख की जानकारी लेकर टिकट बुक कराने की सलाह दी जाती है. प्रयागराज में पांच मिनट का ठहराव नई दिल्ली से ट्रेन सुबह 8:35 बजे रवाना होगी. दोहरा 3:45 बजे प्रयागराज जंक्शन पहुंचेगी और पांच मिनट बाद 3:50 बजे पटना के लिए रवाना हो जाएगी. इसके बाद रात 9:30 बजे पटना पहुंचेगी

यही है मौत की नाव, छह लोगों की क्षमता; सवार थे 20 से 25 लोग, वैशाली नाव हादसे में 13 की मौत

एजेंसी
पटना। वैशाली के राघोपुर में छह लोगों की क्षमता वाली नाव पर 20 से 25 लोग सवार थे. नाव पलटने से 13 लोगों की मौत हो गई. हादसे के समय ग्रामीण श्राद्ध भोज में शामिल होने जा रहे थे. सामने बस्ती दिखाई दे रही थी. दूरी भी महज 150 से 200 फीट के आसपास थी. दूसरी तरफ श्राद्ध भोज का आयोजन था और उसी में शामिल होने के लिए ग्रामीण छोटी-सी नाव पर सवार होकर निकले थे. लेकिन किसी को क्या पता था कि चंद मिनटों में मौजल तक पहुंचने की उम्मीद मातम में बदल जायेगी. मंगलवार की देर शाम वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में बाढ़ के पानी से भरे ढाब में नाव पलट गयी. हादसे में 13 लोगों की मौत हो गयी. मृतकों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं. घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया और कई परिवारों की खुशियां मातम में बदल गयीं.

वैशाली में लार्शें ही लार्शें, चारों ओर चीख-पुकार; ग्राउंड जीरो से देखिए भयावह

एजेंसी
पटना।वैशाली के राघोपुर में नाव हादसे ने कई परिवारों को उजाड़ दिया. हादसे में 13 लोगों की मौत हुई. घटनास्थल पर शवों और बिलखते परिजनों के बीच राहत-बचाव अभियान चला. देखिए ग्राउंड जीरो से हादसे की तस्वीर. बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर में नाव हादसे ने कई परिवारों को उजाड़ दिया. मंगलवार की रात रामपुर गांव के पास गंगा की छोटी धारा में नाव पलटने से 13 लोगों की मौत हो गयी. मृतकों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं. हादसे के बाद गांव में चीख-पुकार मच गयी. रात करीब एक बजे तक घटनास्थल पर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में राहत और बचाव कार्य जारी रहा. लापता लोगों की तलाश के लिए पटना से एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को भुलाया गया. मोटर बोट के जरिए अंधेरे में भी सच ऑपरेशन चलाया गया. भोज खाने जा रहे थे बच्चे, तभी पलट गयी नाव स्थानीय लोगों के अनुसार, बच्चे और अन्य लोग पास के गांव में भोज खाने के लिए नाव से जा रहे थे. इसी दौरान नाव पलट गयी और उसमें सवार लोग पानी में डूबने लगे. हादसे की सूचना मिलने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लोगों को बचाने की कोशिश की. अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में परेशानी हुई. ग्रामीणों और स्थानीय गोताखोरों ने भी राहत कार्य में मदद की. रात में मोटर बोट से चलाया गया सच ऑपरेशन घटना के बाद एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने मोर्चा संभाला. दो मोटर बोट के जरिए पानी में तलाशी अभियान चलाया गया. घटनास्थल के आसपास के इलाकों में भी लोगों की तलाश की गयी. रात के अंधेरे के कारण राहत और बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण बना रहा. मौके पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. एम वर्मा सिंह ने क्या बताया जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने बताया कि रात करीब 8:30 बजे नाव दुर्घटना की सूचना मिली थी. एक छोटी निजी नाव पर करीब 15 से 20 बच्चे सवार होकर पास के गांव में भोज खाने जा रहे थे. इसी दौरान नाव पलट गयी.

CBI का अंतिम निष्कर्ष क्या है? अंडरगारमेंट्स की जांच में क्या मिला, कोर्ट ने पूछे 68 सवाल

एजेंसी
पटना। छात्रा की मौत और यौन उत्पीड़न की आशंका के मामले में सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट पर सुनवाई हुई. मंगलवार को पाँक्सो की विशेष अदालत ने जांच से जुड़े कई अहम सवाल उठाए. विशेष न्यायाधीश राजीव रंजन रमन ने सीबीआई को 68 सवालों की सूची सौंपी. वहीं, मृतका की मां से 39 सवालों के जवाब मांगे गए हैं. अदालत ने यौन उत्पीड़न के आरोप, फर्रिसिक जांच और घटनाक्रम से जुड़े सवाल पूछे हैं. मामले की अगली सुनवाई 6 नवंबर को होगी. सुनवाई के दौरान सीबीआई की जांच अधिकारी विषा कुमारी, पटना पुलिस की तत्कालीन कक्षा अधिकारी डॉ. अनु कुमारी, मृतका की मां और परिजन मौजूद थे. कोर्ट ने सीबीआई से पूछा है कि यौन उत्पीड़न के आरोप पर उसका अंतिम निष्कर्ष क्या है. पीड़िता के



अंडरगारमेंट्स की फर्रिसिक जांच में क्या सामने आया? वहीं, मां से पूछा गया है कि घटना से ठीक पहले बेटी से उनकी क्या बातचीत हुई थी. ख़क से कोर्ट के अहम सवाल: क्या अपराध नहीं हुआ? सीबीआई ने 6 अक्टूबर को मामले में क्लोजर रिपोर्ट दखिल की थी. जांच एजेंसी को कोई टोस सुराग नहीं मिलने की बात सामने आई थी. अब अदालत ने जांच के निष्कर्षों को स्पष्ट करने के लिए कई सवाल

आरा में राज्य स्तरीय विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता शुरू, पहले मैच में पटना ने भागलपुर को दी शिकस्त

एजेंसी
पटना। भोजपुर में राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ. 10 टीमों के 360 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, पटना ने उद्घाटन मैच जीता. भोजपुर जिले में राज्य स्तरीय अंतर प्रमंडल विद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ. खेल विभाग, बिहार, बिहार राज्य खेल प्राधिकरण पटना और जिला प्रशासन, भोजपुर के संयुक्त तत्वावधान में खेल भवन-सह-व्यायामशाला में प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है. उद्घाटन मुकाबले में पटना प्रमंडल की टीम ने रोमांचक खेल का प्रदर्शन करते हुए भागलपुर प्रमंडल को 52-50 से हरा दिया. 10 टीमों के करीब 360 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा तीन दिवसीय प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 बालक वर्ग के मुकाबले खेले जा रहे हैं. इसमें राज्य के



नौ प्रमंडलों और एकलव्य राज्य आवासीय खेल प्रशिक्षण केंद्र की कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं. प्रतियोगिता में लगभग 360 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं. डीएम ने किया प्रतियोगिता का उद्घाटन कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी मनेश कुमार मीणा और अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर जिलाधिकारी ने

खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया. उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना और निष्पक्षता के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की. साथ ही राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया. पटना और भागलपुर के बीच काटे की टक्कर

लोगों के सवार होने से नाव का संतुलन बिगड़ने की आशंका जतायी जा रही है. बीच पानी में पहुंचते ही नाव पलट गयी और उस पर सवार लोग डूबने लगे. सामने मौजिल दिखाई दे रही थी, लेकिन कोई भी सुरक्षित किनारे तक नहीं पहुंच सका. छोटी नाव बनी मौत का सफर हादसे की तस्वीर में पानी से भरे ढाब के बीच छोटी-सी नाव और सामने बस्ती दिखाई दे रही है. यह दृश्य इस त्रासदी की गंभीरता को बयां करता है. जिस नाव के सहारे ग्रामीण कुछ ही दूरी तय कर श्राद्ध भोज में शामिल होने जा रहे थे, वही सफर उनके लिए जानलेवा साबित हुआ. नाव पलटने की खबर फैलते ही आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े. अंधेरा होने के कारण बचाव कार्य में काफी परेशानी हुई. ग्रामीणों ने मोबाइल फोन और टॉच की रोशनी में पानी में डूब रहे लोगों को तलाशना शुरू किया. पानी से निकाले गये लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया. हादसे

के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गयी और परिजन अपनों की तलाश में परेशान रहे. 13 लोगों की मौत, ज्यादातर मृतक बच्चे हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत की आधिकारिक पुष्टि की गयी है. मृतकों में ज्यादातर बच्चे शामिल हैं. इस घटना ने रामपुर गांव के कई परिवारों को उजाड़ दिया. एक ही परिवार के सात बच्चों की मौत की बात सामने आयी है, जबकि मृतकों में 10 बच्चियां शामिल बतायी गयी हैं. जिन घरों में बच्चों की हंसी-खुशी गूंजती थी, वहां अब मातम पसर है. रात में गांव पहुंचने वाले लोगों ने बताया कि कई घरों से लगातार रोने-बिलखने की आवाजें आ रही थीं. किसी परिवार ने एक साथ कई बच्चों को खो दिया, तो किसी मां की गोद हमेशा के लिए सूनी हो गयी. हादसे के बाद गांव में लोगों की भीड़ जुट गयी और परिजनों को संभालना मुश्किल हो रहा था. एनडीआरएफ-एसडीआरएफ ने संभाला

मोर्चा हादसे के बाद प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान शुरू कराया. एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों को पटना से बुलाया गया. स्थानीय गोताखोरों की मदद से पानी में तलाशी अभियान चलाया गया. मोटर बोट के जरिए घटनास्थल के आसपास लापता लोगों की तलाश की गयी. रात में अंधेरा होने के बावजूद बचाव कार्य जारी रहा. जिलाधिकारी वर्षा सिंह, पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. प्रशासन की ओर से घायलों को अस्पताल पहुंचाने और राहत-बचाव कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये गये. हादसे के बाद मृतकों के परिजनों को सहायता देने की घोषणा भी की गयी. नाव की क्षमता से कई गुना अधिक लोग सवार होने पर उठे सवाल इस हादसे के बाद नाव की क्षमता और सुरक्षा इंतजामों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गये हैं.

एक साथ उठीं 13 अर्थियां, मासूमों की मौत से राघोपुर इलाके में चूल्हे तक नहीं जले

एजेंसी
पटना। वैशाली के राघोपुर में नाव हादसे ने कई परिवारों को उजाड़ दिया. 13 लोगों की मौत के बाद गांव में मातम पसरा है और कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले. वैशाली जिले के राघोपुर थाना क्षेत्र की रामपुर श्यामचंद पंचायत में मंगलवार की रात हुए नाव हादसे ने पूरे इलाके को झकझोर दिया. भोज खाने जा रहे लोगों से भरी एक छोटी नाव बीच ढाब में पलट गई. हादसे में 13 लोगों की डूबने से मौत हो गई. मृतकों में बड़ी संख्या में मासूम बच्चे शामिल हैं. एक ही परिवार से सात बच्चों की अर्थियां उठीं. जबकि दूसरे परिवार की पांच बच्चियों की मौत ने पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया. तीसरे परिवार के एक बच्चे की भी जान चली गई. गांव में मातम पसरा है और कई घरों में चूल्हे तक नहीं जले. एक घर से सात बच्चों के शव उठे, दूसरे परिवार की पांच बच्चियों की मौत हादसे का सबसे दर्दनाक पहलू वह रहा कि इसने कई परिवारों को उजाड़ दिया. एक ही घर से सात मासूम बच्चों के शव निकले, जबकि दूसरे परिवार की पांच बच्चियों की



मौत हो गई. तीसरे परिवार का एक बच्चा भी हादसे का शिकार हो गया. एक साथ इतनी अर्थियां उठने से रामपुर श्यामचंद गांव में चीख-पुकार मच गई. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव के लोग एक-दूसरे को संभालने की कोशिश करते रहे, लेकिन अपनों को खोने का दर्द हर चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा था. भोज खाने जा रहे थे लोग, बीच ढाब में पलट गई नाव रामपुर श्यामचंद पंचायत के भगतान टोला स्थित माता महारानी स्थान के पास सिसेश्वर राय के यहां भोज का आयोजन था. गांव के करीब 20

लोग एक छोटी नाव पर सवार होकर ढाब के दूसरी ओर भोज खाने जा रहे थे. ग्रामीणों के मुताबिक, नाव जर्जर थी और उस पर क्षमता से अधिक लोग सवार थे. बीच ढाब में पहुंचते ही नाव अनियंत्रित होकर पलट गई. देखते ही देखते नाव पर सवार लोग गहरे पानी में डूबने लगे. हादसे की खबर मिलते ही रामपुर श्यामचंद पंचायत और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए. अंधेरा होने के कारण ग्रामीणों ने मोबाइल की रोशनी में बचाव कार्य शुरू किया. करीब एक घंटे की मशकत के बाद

दशहरा में बिहार आने वाली ट्रेनें 11 घंटे तक लेट, स्पेशल ट्रेनों में भी कंफर्म टिकट नहीं

एजेंसी
पटना। दशहरा पर बिहार आने वाली ट्रेनों में भारी भीड़ है. कई स्पेशल ट्रेनें 11 घंटे तक लेट चल रही हैं, जबकि नियमित और स्पेशल ट्रेनों में कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है. दशहरा की छुट्टियां शुरू होते ही बिहार आने वाली ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ बढ़ गयी है. नियमित ट्रेनों में सीटें पहले से फुल हैं और स्पेशल ट्रेनों में भी कंफर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है. दूसरी ओर, कई पूजा स्पेशल ट्रेनें भी घंटों की देरी से पटना और दानापुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर पहुंच रही हैं. इससे त्योहार मनाने घर लौट रहे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. मंगलवार को पटना जंक्शन पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गयी. खासकर दिल्ली, मुंबई और बंगलुरु की ओर से बिहार आने वाली ट्रेनों में यात्रियों की संख्या अधिक रही. रेलवे ने अब तक 57 पूजा स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल जारी किया है. लेकिन त्योहार के दौरान टिकटों की उपलब्धता और ट्रेनों की लेटलतीपी यात्रियों के लिए चुनौती बनी हुई है. नियमित ट्रेनों में सीटें फुल, अल्काल टिकट के लिए भी परेशानी त्योहारी सीजन में नियमित ट्रेनों की सीटें दो महीने पहले ही भर चुकी हैं. तत्काल कोटे में भी टिकट मिलना आसान नहीं है. स्पेशल ट्रेनों में भी कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण कई यात्री सामान्य टिकट लेकर सफर करने को मजबूर हैं. मंगलवार को दिल्ली से आने वाली ब्रह्मपुत्र



मेल और मगध एक्सप्रेस ने यात्रियों की भारी भीड़ रही. ब्रह्मपुत्र मेल 10 मिनट की देरी से दोपहर 2:30 बजे पटना जंक्शन पहुंची. ट्रेन में सवार पटना सिटी के राकेश कुमार ने बताया कि वह हर साल दशहरा मनाने परिवार के साथ घर आते हैं, लेकिन इस बार काफी प्रयास के बाद भी कंफर्म टिकट नहीं मिल सका. जनरल टिकट लेकर स्लीपर में सफर कर रहे यात्री राकेश कुमार कोच में परिसर के साथ यात्रा करने पड़ रही है. उन्होंने बताया कि इस तरह सफर करना बच्चों और पत्नी के लिए काफी मुश्किल हो रहा है.

दिल्ली में हैं तेजस्वी यादव, वैशाली नाव हादसे पर बोले- पटना पहुंचते ही राघोपुर जाऊंगा

एजेंसी
पटना। वैशाली नाव हादसे पर तेजस्वी यादव ने दिल्ली से वीडियो संदेश जारी कर दुःख जताया. उन्होंने कहा कि पटना पहुंचते ही राघोपुर जाकर पीड़ित परिवारों से मिलेंगे. वैशाली जिले के राघोपुर विधानसभा क्षेत्र के रामपुर श्यामचंद में नाव हादसे के बाद पूरे इलाके में मातम पसरा है. इस दर्दनाक घटना में 13 बच्चों की मौत की खबर ने लोगों को झकझोर दिया है. हादसे को लेकर राघोपुर के विधायक और बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दुःख जताया है. उन्होंने कहा कि पटना पहुंचते ही वह राघोपुर जाएंगे और जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनसे मिलेंगे. तेजस्वी ने प्रशासन से पीड़ित परिवारों की अधिक से अधिक मदद देने और राहत-बचाव कार्य में तेजी लाने की अपील भी की है. तेजस्वी बोले- बच्चों को खोने वाले परिवारों के दुःख में शामिल होंगे तेजस्वी यादव ने वीडियो संदेश जारी कर कहा कि राघोपुर के रामपुर क्षेत्र में हुई घटना बेहद दुःखद है. उन्हें हादसे की जानकारी मिली है और वह पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं. उन्होंने कहा कि बच्चों को खोने वाले परिवारों के दुःख में वह उनके साथ खड़े हैं. पटना में कहा कि वह दिल्ली में थे और घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से बात की है. पटना पहुंचते ही घटनास्थल पर जाने की बात कहते हुए उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता दिलाने का प्रयास करेंगे. प्रशासन से रेस्क्यू ऑपरेशन तेज करने की अपील तेजस्वी यादव ने अपने संदेश में बताया कि उन्होंने जिलाधिकारी और आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों से बात की है.

जनजातीय समाज के सम्मान, संरक्षण और विकास पर भाजपा का राजनीतिक प्रस्ताव पारित

बिभा संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में बुधवार को प्रदेश पदाधिकारियों, सांसदों और विधायकों की महत्वपूर्ण बैठक प्रदेश प्रभारी गजेन्द्र सिंह पटेल की उपस्थिति में हुई। बैठक में झारखंड के जनजातीय समाज, संस्कृति और विकास के सम्मान, संरक्षण एवं विकास से जुड़े विषयों पर राजनीतिक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। प्रस्ताव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार, कल्याण और विकास के लिए किए गए प्रयासों को रेखांकित किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रस्ताव सदन के पटल पर रखा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक पूर्णिमा साहू ने इसका अनुमोदन किया। इसके बाद उपस्थित पदाधिकारियों और



सदस्यों ने दोनों हाथ उठाकर प्रस्ताव का समर्थन किया। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने किया। बैठक में जोर दिया गया कि जनजातीय समाज का विकास केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उसकी भाषा, लोककला, लोकगीत, पारंपरिक ज्ञान, रीति-रिवाज, सामाजिक परंपराओं और सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण भी विकास की प्राथमिकता होनी चाहिए। प्रस्ताव में जनजातीय युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाने, महिलाओं को आर्थिक रूप से

शक्त बनाने, वन उपज आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने तथा जनजातीय बहुल क्षेत्रों में विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया।

जनजातीय समाज के विकास को प्राथमिकता : आदित्य साहू

प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि देश के गरीबों, वंचितों और जनजातीय समाज की पीड़ा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस संवेदनशीलता से समझा है, वह उनके जनसेवा के संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि आजादी

के बाद लंबे समय तक जनजातीय समाज बुनियादी सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास के पर्याप्त अवसरों से वंचित रहा। पूर्ववर्ती सरकारों ने लगातार इसकी अनदेखी की, लेकिन नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और विकास को प्राथमिकता देने के लिए अनेक पहल की गई हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए गरीबों और वंचितों की सेवा केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि जीवन का संकल्प है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभालने से लेकर प्रधानमंत्री के तौर पर देश का नेतृत्व करने तक, उनका जोर समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने पर रहा है। साहू ने कहा कि नरेन्द्र मोदी 2001 से लगातार सेवाभाव के साथ देश की सेवा में जुटे हुए हैं।

जनजातीय गौरव और विरासत का संरक्षण जरूरी : गजेन्द्र

सिंह पटेल

भाजपा के प्रदेश प्रभारी गजेन्द्र सिंह पटेल ने कहा कि झारखंड के सर्वांगीण विकास के बिना विकसित भारत का सपना साकार नहीं हो सकता। झारखंड प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्य होने के साथ-साथ जनजातीय संस्कृति, गौरवशाली परंपराओं, संघर्ष और बलिदान की ऐतिहासिक भूमि भी है। जब तक जनजातीय समाज, गरीब, वंचित और ग्रामीण क्षेत्र विकास की मुख्यधारा में पूरी तरह सहभागी नहीं बनेंगे, तब तक विकसित भारत का संकल्प अधूरा रहेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए आर्थिक संपन्नता, सामाजिक समरसता, सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण चार महत्वपूर्ण आधार हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह संकल्प तभी पूरा होगा, जब झारखंड आर्थिक रूप से समृद्ध, सामाजिक रूप से समरस और

सुरक्षित बनेगा तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गौरव करेगा। झारखंड का विकास केवल एक राज्य का विकास नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला है। पटेल ने कहा कि आर्थिक संपन्नता का अर्थ समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास के अवसर पहुंचाना है। इसके लिए युवाओं को रोजगार, किसानों और ग्रामीणों को आय बढ़ाने के अवसर तथा जनजातीय क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार जरूरी है। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा का उल्लेख करते हुए कहा कि उनका जीवन जनजातीय स्वाभिमान, स्वतंत्रता, जल-जंगल-जमीन के अधिकार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक है। उनकी विरासत आज भी झारखंड और पूरे देश के लिए प्रेरणा है। बिरसा मुंडा ने अपने संघर्ष से यह संदेश दिया कि समाज की पहचान, अधिकार और आत्मसम्मान की रक्षा सर्वोपरि है।

संक्षिप्त खबरें

दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न



कोलकाता(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे की क्षेत्रीय रेल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की वर्ष 2026 की तीसरी बैठक बुधवार को महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ उप महाप्रबंधक (राजभाषा) द्वारा अध्यक्ष एवं सभी सदस्यों के स्वागत के साथ हुआ। इस उच्चस्तरीय बैठक में अपर महाप्रबंधक, सभी प्रधान विभागाध्यक्ष तथा वर्चुअल माध्यम से विभिन्न मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक एवं खड़गपुर कारखाना के उप मुख्य राजभाषा अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान दक्षिण पूर्व रेलवे के अंतर्गत दैनिक व प्रशासनिक कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग, प्रगति और प्रचार-प्रसार से जुड़े कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। मुख्य राजभाषा अधिकारी अनिल कुमार ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने का आग्रह किया। महाप्रबंधक अनिल कुमार जैन ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार और प्रगति के लिए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने हेतु सभी को निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने रेलवे बोर्ड द्वारा गोरखपुर में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मुख्यालय एवं रांची मंडल के विजेता रेलकर्मियों को बधाई दी और उनकी सराहना की। बैठक के समापन सत्र में कार्मिक विभाग की ओर से पेंशन बेनीफिट (पेंशन लाभ) विषय पर एक उपयोगी पावर पॉइंट प्रस्तुति दी गई। अंत में मुख्य राजभाषा अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक विधिवत समाप्त हुई।

पूर्व मध्य रेल ने बरौनी रेलखंड पर किया स्वदेशी कवच प्रणाली का सफल परीक्षण

हाजीपुर(बिभा) : पूर्व मध्य रेल द्वारा रेल परिचालन में सुरक्षा की ओर अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में बरौनी में स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली कवच का सफल परीक्षण किया गया। यह परीक्षण 65 किलोमीटर बरौनी से समस्तीपुर तथा बरौनी से बेगूसराय रेलखंड पर किया गया। श्री डिम्पी गर्ग, महाप्रबंधक पूर्व मध्य रेल हाजीपुर, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, पूर्व मध्य रेल, हाजीपुर तथा मंडल रेल प्रबंधक, सोनपुर के निर्देशन में संपन्न इस परीक्षण में पूर्व मध्य रेल मुख्यालय के अधिकारियों के साथ-साथ रेलटेल एवं क्वाइट की महत्वपूर्ण भूमिका रही। परीक्षण के दौरान Kernex DMI प्रणाली से सुसज्जित दो लोकों के माध्यम से मानक कवच प्रणाली की कार्यक्षमता एवं सुरक्षा क्षमता का परीक्षण किया गया। परीक्षण के क्रम में दोनों लोकों को आमने-सामने लाया गया। इस दौरान संभावित टक्कर को रोकने की प्रणाली की क्षमता का प्रदर्शन हुआ तथा दोनों लोकों के आमने-सामने आने के बावजूद टक्कर नहीं हुई। यह परीक्षण रेल परिचालन में आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग तथा संरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कवच प्रणाली का उद्देश्य निर्धारित परिचालन परिस्थितियों में मानवीय भूल अथवा अन्य कारणों से उत्पन्न संभावित दुर्घटनाओं को रोकने में सहायता करना है। आवश्यकता पड़ने पर यह प्रणाली स्वचालित ब्रेकिंग के माध्यम से ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने में मदद करती है। इस सफल परीक्षण में पूर्व मध्य रेल मुख्यालय के अधिकारियों, रेलटेल एवं क्वाइट के समन्वित प्रयासों और तकनीकी सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह उपलब्धि पूर्व मध्य रेल में आधुनिक सिग्नलिंग एवं ट्रेन सुरक्षा तकनीक के प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पूर्व मध्य रेल यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

साइबर टगी मामले में 10 गिरफ्तार और एक निरुद्ध

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी रांची में जामताड़ा की तरह साइबर टगी का नेटवर्क संचालित किया जा रहा था। जिसका पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने शहर के दो अपार्टमेंट के किराए के फ्लैटों में छापेमारी कर गिरोह के 10 आरोपितों को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध कर बाल सुधार गृह भेज दिया है। पुलिस ने मौके से करीब आठ लाख रुपये नकद, 36 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 32 एटीएम कार्ड, 12 सिम कार्ड और 25 नोटबुक सहित बड़ी संख्या में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैंकिंग दस्तावेज बरामद किए हैं। पुलिस के ताबूतिक, गिरोह के सदस्य फोन पर लोगों को लोन और नौकरी दिलाने का प्रलोभन देकर टगी करते थे। सिटी एसपी पारस राणा ने बुधवार को



प्रेस वार्ता में बताया कि राजधानी रांची में साइबर अपराधियों ने टगी का नेटवर्क फैलाने के लिए किराए के फ्लैटों में रह रहे थे। रांची एसएसपी राकेश रंजन को 13 अक्टूबर को गुप्त सूचना मिली थी कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र और पंडरा ओपी क्षेत्र के पिस्का मोड़ के आसपास स्थित पराशर अपार्टमेंट और जतरा मैदान के निकट मालती अपार्टमेंट के फ्लैटों में साइबर टगी की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना के सत्यापन के बाद एसएसपी कोतवाली निखिल राय के नेतृत्व में विशेष छापेमारी टीम गठित की गई।

स्वच्छता पखवाड़ा : आसनसोल मंडल के स्टेशनों व पटरियों पर चला सघन सफाई अभियान

बिभा संवाददाता

आसनसोल। यात्रियों की सुखद और सुविधाजनक यात्रा के लिए स्वच्छ वातावरण व कचरा-मुक्त स्टेशन परिसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने स्वच्छता अभियान को तेज कर दिया है। 'स्वच्छता पखवाड़ा 2026' एवं 'विशेष अभियान 6.0' के अंतर्गत बुधवार को मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर व्यापक स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन गतिविधियां चलाई गईं। अभियान के तहत आसनसोल, अंडाल, दुर्गापुर, सिडडी, मधुपुर, दुमका, पानागढ़ एवं सीतारामपुर रेलवे स्टेशनों पर गहन साफ-सफाई की गई। इस दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्मों एवं रेलवे पटरियों (ट्रैक) से जमा कचरे का सुरक्षित उठाव कर वैज्ञानिक तरीके से उसका उचित निस्तारण



सुनिश्चित किया गया, ताकि यात्रियों व रेलकर्मियों के लिए स्वच्छ और स्वास्थ्यकर माहौल बना रहे। अंडाल एवं दुर्गापुर स्टेशनों पर आयोजित जन-जागरूकता कार्यक्रमों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) नियमों के तहत कचरे को स्रोत पर ही अलग-अलग करने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों ने यात्रियों को हरे, नीले, लाल एवं काले रंग के चार अलग-अलग कूड़ेदानों के सही उपयोग के बारे में जानकारी दी और जिम्मेदार नागरिक के रूप में कचरा प्रबंधन में सहयोग करने की अपील की।

रेल प्रशासन ने अग्रिम पंक्ति में तैनात हाउसकीपिंग कर्मचारियों व रेलकर्मियों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनके अथक परिश्रम से ही स्टेशनों को स्वच्छ रखना संभव हो पा रहा है। मंडल ने यात्रियों से अपील की है कि वे कूड़ा-कचरा प्लेटफॉर्म या पटरियों पर फेंकने के बजाय निर्धारित कूड़ेदानों में ही डालें और चलती ट्रेन से बाहर कचरा न फेंकें। प्रशासन ने दोहराया कि यात्रियों की छोटी-सी सजगता और सक्रिय जनभागीदारी से ही रेलवे परिसरों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाया जा सकता है।

स्वच्छता पखवाड़ा-2026: प्रयागराज मंडल के स्टेशनों पर चला सघन स्वच्छता संवाद अभियान, यात्रियों व रेलकर्मियों को किया जागरूक

बिभा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल द्वारा ह्रस्वचलता पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर संवाद एवं जन-जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल के कुशल मार्गदर्शन में संचालित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेल यात्रियों, कर्मियों एवं आम नागरिकों में स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी और सहभागिता की



भावना को सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मंडल रेल प्रबंधक रजनीश अग्रवाल तथा उप मुख्य यातायात प्रबंधक अकांश गोविल

ने स्वयं स्वच्छता जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता निभाई। उन्होंने यात्रियों व रेलकर्मियों को दैनिक जीवन और यात्रा के दौरान स्वच्छता के महत्व से अवगत

कराया तथा स्टेशन परिसर को पूरी तरह साफ-सुथरा बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हुए विधिवत 'स्वच्छता संवाद अभियान' की शुरुआत की। मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों पर भी व्यापक स्तर पर संवाद कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रयागराज डिविज़ी रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक राकेश कुमार एवं सफाई पर्यवेक्षक संजय पाण्डेय के नेतृत्व में जागरूकता अभियान चला, जहाँ यात्रियों से

परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग मांगा गया। वहीं अलीगढ़ जंक्शन पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक राजेश कुमार एवं प्रोजेक्ट सुपरवाइजर ने यात्रियों और दुकानदारों को रेलवे परिसर में गंदगी न फैलाने, कूड़ा-कचरा इधर-उधर न फेंकने और कचरे को हमेशा निर्धारित कूड़ेदान में ही डालने की समझाइश दी। इसके अलावा टुंडला जंक्शन पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक ज्ञानेश कुमार एवं प्रोजेक्ट सुपरवाइजर की अगुवाई में यात्रियों को

जागरूक करते हुए स्टेशन परिसर व पटरियों को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। प्रयागराज मंडल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सामूहिक प्रयासों से ही रेलवे स्टेशनों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण के अनुकूल बनाया जा सकता है। इस पखवाड़े के माध्यम से यात्रियों को अपनी यात्रा के दौरान स्वच्छता को आदत में शामिल करने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रेल कर्मचारियों के लिए 78 दिनों के उत्पादकता-आधारित बोनस को मंजूरी दी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने रेल कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए 11,40,770 रेल कर्मचारियों को 78 दिनों के लिए 2009.61 करोड़ रुपये के पीएलबी के भुगतान को मंजूरी दे दी है। रेल कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों जैसे ट्रेक मेंटनेंस कर्मी, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, तकनीशियन, तकनीशियन सहायक, पॉइंट्समैन, मिनिस्ट्रियल स्टाफ और अन्य ग्रुप 'सी' स्टाफ को दी जाएगी। वर्ष 2025-26 में रेलवे का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। रेलवे ने रिकॉर्ड 1670 मिलियन टन माल लादा और लगभग 7.41 बिलियन यात्रियों को परिवहन प्रदान किया।

धनबाद रेल मंडल में चला व्यापक स्वच्छता अभियान



बिभा संवाददाता

धनबाद: स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के चौदहवें दिन और एससीडीपीएम 6.0 के तहत बुधवार को धनबाद रेल मंडल में सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत मंडल के विभिन्न स्टेशनों, सकुलेंटिंग एरिया और रेल परिसरों में विशेष साफ-सफाई अभियान चलाकर व्यवस्था को दुरुस्त किया गया। अभियान के दौरान रेल परिसरों एवं ट्रेक किनारे स्थित नालियों की गहन सफाई की गई, जमा कचरा व गाद हटाई गई तथा जलजमाव एवं संक्रमण से बचाव के लिए आवश्यकतानुसार कीटाणुनाशक दवाओं और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया गया। इसके साथ ही स्टेशन परिसरों के आसपास उगी अनचाही झाड़ियों की छंटाई की गई और एकत्र सूखे व गीले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से

उचित निस्तारण सुनिश्चित किया गया। सफाई अभियान के साथ-साथ स्टेशनों पर यात्रियों के बीच विशेष जन-संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इसके माध्यम से रेल यात्रियों को ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों से अवगत कराया गया। रेलवे अधिकारियों एवं स्वच्छता कर्मियों ने यात्रियों से अपील की कि वे यात्रा के दौरान स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें, गीले और सूखे कचरे को निर्धारित डस्टबिन में अलग-अलग डालें तथा पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले सिंगल-यूज प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह बंद करें। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से रेल परिसरों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

रेल यात्रियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए प्रयागराज मंडल की सतत निगरानी: एक माह में 4,514 नमूनों की हुई जांच

बिभा संवाददाता

प्रयागराज। रेल यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे का प्रयागराज मंडल लगातार सतर्कता बरत रहा है। मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, प्लेटफॉर्मों एवं रेल परिसरों में आपूर्ति किए जा रहे पेयजल की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित जांच और सघन निगरानी अभियान चलाया जा रहा है। यात्रियों के स्वास्थ्य एवं सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा चलाए गए जल गुणवत्ता निगरानी अभियान के तहत पिछले एक माह के दौरान कुल 4,514 जल नमूनों का विस्तृत परीक्षण किया गया। इनमें 4,140 नमूने अवशिष्ट क्लोरीन (रेसिडुअल क्लोरीन), 350 नमूने कैंमिकल एनालिसिस के जरिए पानी के आवश्यक रासायनिक मानकों एवं खनिज संतुलन को परखा जाता है। इन सभी जांचों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों को पूरी तरह



अधिकारियों के अनुसार, अवशिष्ट क्लोरीन की जांच से पानी में कीटाणुशोधन (क्लोरीनीकरण) की सटीक स्थिति का पता चलता है, जबकि बैक्टीरियोलॉजिकल जांच से जल में हानिकारक सूक्ष्मजीवों और बैक्टीरिया की मौजूदगी की पड़ताल की जाती है। वहीं कैमिकल एनालिसिस के जरिए पानी के आवश्यक रासायनिक मानकों एवं खनिज संतुलन को परखा जाता है। इन सभी जांचों का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्टेशनों पर आने वाले यात्रियों को पूरी तरह

मानक और सुरक्षित पेयजल मिले। अभियान के तहत स्टेशनों पर लगे सार्वजनिक नलों, वाटर कूलरों, जल भंडारण टैंकों तथा अन्य प्रमुख जल स्रोतों की नियमित जांच की जा रही है। जांच के दौरान यदि किसी स्रोत में निर्धारित मानकों में थोड़ी भी कमी पाई जाती है, तो संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल सुधारात्मक व निवारक कदम उठाए जाते हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) प्रयागराज, रजनीश अग्रवाल ने कहा कि यात्रियों को शुद्ध व सुरक्षित पेयजल मुहैया कराना प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए मंडल स्तर पर सतत निगरानी और नियमित परीक्षण की पुख्ता व्यवस्था लागू की गई है, ताकि यात्रियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।